हिन्दी दैनिक...

विकास वार्ता

सत्य • निष्पक्ष • निर्भीक

गुरूवार, 10 सितंबर 2026 | संस्करण बेगूसराय | वर्ष 01 | अंक 293 | पृष्ठ 08 | मूल्य ₹ 2/- | RNI No : BHHIN/25/A2044 | https://vikasvaarta.com

मेधावी छात्रों के सम्मान समारोह में बोले सम्राट चौधरी- जन्मभूमि और कर्मभूमि को बेहतर बनाना हम सभी का दायित्व

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा-2026 की टॉपर सूची में स्थान हासिल करने वाले 168 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। लोक सेवक आवास में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और सांकेतिक चेक प्रदान किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि आज सम्मानित किए गए सभी 168 विद्यार्थी उनके लिए टॉपर हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता परिश्रम, प्रतिभा और लगन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान परीक्षा परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद किया जाना चाहिए। अगले वर्ष से टॉपर्स सम्मान समारोह परीक्षा परिणाम घोषित होने के एक महीने के भीतर आयोजित किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए समय पर प्रोत्साहन मिल सके। इंटरमीडिएट और मैट्रिक में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दो लाख रुपए, द्वितीय स्थान वालों को डेढ़ लाख रुपए और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी गई। इंटरमीडिएट में चौथे और पांचवें स्थान तथा मैट्रिक में चौथे से दसवें स्थान तक आने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सभी सम्मानित विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए अतिरिक्त 51 हजार रुपए की राशि दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का इतिहास ज्ञान और शिक्षा की समृद्ध परंपरा से जुड़ा रहा है। नालंदा और विक्रमशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय बिहार की गौरवशाली पहचान रहे हैं। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय को पुनः स्थापित किया गया है और विक्रमशिला विश्वविद्यालय के लिए भी 15 जुलाई को 200

एकड़ भूमि आवंटित की गई है। राज्य के गौरवशाली शैक्षणिक अतीत को आधुनिक सुविधाओं के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए कोचिंग, लाइव क्लास और लाइव ट्यूटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही विद्यार्थियों की समस्याओं और सुझावों के समाधान के लिए सहयोग पोर्टल भी संचालित किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से नौकरी लेने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास के लिए अब तक एक हजार उद्योगों के लिए भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है। युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। बाढ़ की स्थिति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सामान्य से 38 प्रतिशत कम वर्षापात के बावजूद राज्य में बाढ़ की चुनौती बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार में हर वर्ष बाढ़ की समस्या सामने आती है, इसलिए केवल राहत और बचाव तक सीमित रहने के बजाय इसके स्थायी समाधान की दिशा में काम करना होगा। जल-चक्र और प्राकृतिक जल प्रवाह तंत्र को बेहतर बनाने के लिए दीर्घकालिक कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से बिहार के विकास में योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा, ‌ह्लअपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि को बेहतर एवं सुदृढ़ बनाना हम सभी का दायित्व है।ह्व उन्होंने कहा कि बिहार के बाहर रहकर अच्छा कर रहे लोग अपनी कर्मभूमि के साथ जन्मभूमि को भी बेहतर बनाने में योगदान दें। सम्मान समारोह के बाद मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के साथ प्रीति भोज में हिस्सा लिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आत्मीय बातचीत कर उनकी भविष्य की योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी ली। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव और शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने भी संबोधित किया।

कैबिनेट ने 10,021 करोड़ रुपए की 5 मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को भारतीय रेलवे की पांच महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी है। लगभग 10,021 करोड़ रुपए की लागत वाली इन परियोजनाओं का उद्देश्य रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना, माल ढुलाई को तेज करना और दक्षिण भारत के प्रमुख राज्यों में रेल संपर्क को मजबूत बनाना है। इन परियोजनाओं को वर्ष 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंजूर की गई परियोजनाओं में अरक्कोनम-रेनिगुंटा तीसरी और चौथी लाइन (77 किमी), व्हाइटफील्ड-बंगारपेट तीसरी और चौथी लाइन (47 किमी), होसुर-ओमालुर दोहरीकरण (147 किमी), सेलम-करूर-दिंडीगुल दोहरीकरण (159 किमी) और सिकंदराबाद (घाटकेसर)-काजीपेट मल्टीट्रैकिंग

तमिलनाडु से तेलंगाना तक बढ़ेगी रेलवे कनेक्टिविटी

(110 किमी) शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने के बाद भारतीय रेलवे नेटवर्क में लगभग 540 किलोमीटर की अतिरिक्त क्षमता जुड़ जाएगी। ये परियोजनाएं तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के कुल 17 जिलों को कवर करेंगी। सरकार के अनुसार, इन रेल परियोजनाओं से लगभग 2,121 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जहां करीब 52 लाख लोगों की आबादी निवास करती है। रेल मंत्रालय का कहना है कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता से ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम होगी, परिचालन दक्षता में सुधार आएगा और रेल सेवाओं की विश्वसनीयता बढ़ेगी। साथ ही, इन मार्गों पर वर्तमान में मौजूद जाम और परिचालन बाधाओं को भी कम करने में मदद मिलेगी। इन परियोजनाओं की योजना पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य विभिन्न परिवहन माध्यमों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को अधिक कुशल बनाना है। सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही अधिक तेज और सुगम होगी। इससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी और रोजगार तथा स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जो प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूती देंगे। रेल नेटवर्क विस्तार का लाभ कई प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को भी मिलेगा, जिनमें तिरुपति, तिरुत्तानी स्थित सुब्रमण्य स्वामी मंदिर, तिरुचानूर का श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर, कोटिलिंगेश्वर मंदिर, बंगारू तिरुपति, कोलार गोल्ड फील्ड्स, होगेनक्कल जलप्रपात, होसुर किला, मेट्टूर बांध, कोडाइकनाल हिल्स, सत्यमंगलम वन्यजीव अभयारण्य, नमक्कल अंजनेयर मंदिर, यदागिरिगुट्टा मंदिर, भोंगिर किला, सुरेंद्रपुरी और स्वर्णगिरि मंदिर जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं। सरकार का मानना है कि बेहतर रेल संपर्क से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। ये रेल मार्ग कोयला, सीमेंट, लोहा-इस्पात, कंटेनर, ऑटोमोबाइल, खाद्यान्न, पेट्रोलियम उत्पाद और उर्वरक जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं के परिवहन के लिए बेहद अहम माने जाते हैं। परियोजनाओं के पूरा होने के बाद रेलवे की माल ढुलाई क्षमता में सालाना लगभग 47 मिलियन टन (एमटीपीए) की अतिरिक्त वृद्धि होने का अनुमान है। सरकार के अनुसार, रेलवे एक पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल परिवहन माध्यम है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर देश के तेल आयात में लगभग 8 करोड़ लीटर की कमी आ सकती है। साथ ही 42 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होने का अनुमान है, जो लगभग 2 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर पर्यावरणीय लाभ प्रदान करेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कोलंबो में गंगारामया मंदिर का दौरा किया

कोलंबो, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीलंका की यात्रा के दौरान बुधवार को कोलंबो के गंगारामया मंदिर का दौरा किया। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, मुझे कोलंबो में पवित्र गंगारामया मंदिर जाने और भगवान बुद्ध का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। तेजी से बदलते वैश्विक माहौल में, भगवान बुद्ध का शांति, भाईचारे और आपसी समझ का शाश्वत संदेश हमें तब भी मार्गदर्शन देता रहता है जब हम विभिन्न भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना करते हैं। इससे पहले दिन में राजनाथ सिंह ने श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की और विकास सहयोग, शिक्षा और संस्कृति जैसे प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, "आज कोलंबो में श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की। हमने विकास सहयोग, शिक्षा और भारत तथा श्रीलंका के बीच गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।" उन्होंने आगे कहा, "मैंने इस बात पर जोर दिया कि साझा विरासत वाले सहयोगी लोकतंत्रों के रूप में भारत और श्रीलंका को हमारे क्षेत्र की शांति और समृद्धि के लिए एक साझा विकास विजन पर काम करना जारी रखना चाहिए।" रक्षा मंत्री ने श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय की अपनी यात्रा के दौरान द्वीप राष्ट्र के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ भी बातचीत की। सिंह ने 'एक्स' पर लिखा, "श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय की अपनी यात्रा के दौरान मुझे श्रीलंका के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करने का अवसर मिला। उनमें से कई लोगों ने भारत में प्रशिक्षण लिया है और भारत के साथ उनके गहरे संबंध हैं।

35 महीने से वनडे क्रिकेट की 'बेताज बादशाह' टीम इंडिया, टी20 में भी हुकूमत कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे क्रिकेट में भारत का वर्चस्व लगातार कायम है। 50 ओवर के फॉर्मेट में पिछले 35 महीनों से दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम भी भारत से नंबर एक का ताज नहीं छिन सकी है। सिर्फ वनडे ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार बना हुआ है। वनडे क्रिकेट में भारतरीय टीम की बादशाहत सितंबर 2023 से कायम है। भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी और उसके बाद से किसी भी टीम को इस पोजीशन के आसपास तक नहीं भटकने दिया है। भारतीय टीम के अभी कुल 116 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। भारत के बाद फिलहाल आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है, जिसके कुल रेटिंग प्वाइंट 109 हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। 2023 से लेकर अब तक 50 ओवर के फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। 2023 में टीम इंडिया ने कुल 35 वनडे मैच खेले और इस दौरान 27 मुकाबलों में जीत हासिल की, जबकि महज 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। साल 2024 में भारतीय टीम ने सिर्फ 3 ही वनडे मुकाबले खेले। इस दौरान टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, तो एक मुकाबला टाई रहा। टीम इंडिया के लिए साल 2025 वनडे फॉर्मेट में बेमिसाल रहा। साल की शुरूआत में ही भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाते हुए अपनी बादशाहत साबित की। 2025 में भारत ने कुल मिलाकर 14 वनडे मुकाबले खेले और टीम को 11 में जीत नसीब हुई। वहीं, सिर्फ 3 ही मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारत का जीत प्रतिशत 78.57 का रहा। साल के आखिरी में बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के हाथों से वनडे टीम की कमान लेकर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी। गिल की कप्तानी में भले ही टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया की धरती पर वनडे सीरीज में हार मिली, पर टीम का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा। साल 2026 में भारत ने अभी तक कुल 9 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान टीम को 5 में जीत, जबकि 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

वोट बैंक के लिए समाज को बांटने वालों की माफिया के सामने गुम हो जाती सिट्टी-पिट्टी : सीएम योगी

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग वोट बैंक के लिए समाज को जातीय आधार पर बांटने और विभाजन की राजनीति करने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब दुर्दान्त माफिया और अपराधियों पर कार्रवाई की बात आती है तो इनकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती है। वे मौन हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि भले ही उनके अपने परिवार का नुकसान हुआ हो, वे माफिया के सामने गिड़गिड़ाते हुए ही दिखाई दिए, लेकिन डबल इंजन की सरकार माफिया के सामने नहीं झुकती। अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून अपना काम करेगा। खासकर बेटियों व महिलाओं की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए जेल या जहन्नुम के अलावा कोई तीसरा रास्ता नहीं। जब महिला बिना डर घर से निकलेगी, तभी वह स्कूल, कॉलेज, नौकरी, कारोबार और सामाजिक जीवन में अपनी भागीदारी बढ़ा सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को वाराणसी के पिंडरा विधानसभा में कामकाजी महिला सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन आधी आबादी के सम्मान और उसकी सामर्थ्य का अहसास कराने वाला

है। महिलाओं की भागीदारी केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वे प्रदेश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था और विकास की दिशा तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले बेटी को स्कूल भेजना हो तो परिवार को उसकी सुरक्षा की चिंता होती थी। घर में शौचालय न हो तो बेटी, बहन और मां के सम्मान की चिंता रहती थी। रसोई में धुआं हो तो स्वास्थ्य की चिंता, इलाज कराना हो तो पैसे की चिंता और घर चलाना हो तो आमदनी की चिंता होती थी। महिला घर से बाहर निकलकर कुछ करना चाहती थी तो उसके सामने रास्ते, कनेक्टिविटी, अवसर और उस अवसर तक पहुंचने की कीमत का सवाल खड़ा होता था। जब परिवार को सुरक्षा का भरोसा नहीं होता है तो सबसे पहले बेटी के सपनों पर रोक लगती है। भाजपा सरकार ने तय किया कि बेटी को पढ़ाना है, बढ़ाना है और सुरक्षा की चिंता भी समाप्त करनी है। हमने पहले डर हटाया, फिर बेटी को पढ़ाया, हुनर दिया और उसे रोजगार से जोड़ा। पहले सवाल था कि बेटी घर से बाहर कैसे निकलेगी, आज सवाल यह है कि उसे जाना कहां तक है। अब कोई बेटी केवल इसलिए अपने सपनों को नहीं छोड़ेगी कि वह गरीब परिवार में पैदा हुई है। कोई महिला केवल पूंजी के अभाव में पीछे नहीं रहेगी और कोई परिवार अवसर के अभाव में विकास से दूर नहीं रहेगा। बेटी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों के लिए जेल या जहन्नुम के अलावा कोई तीसरा रास्ता नहीं है। हमारी सरकार माफिया के सामने नहीं झुकती। महिलाओं की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता।

बिहारः पितृपक्ष मेला को लेकर बोधगया में तैयारी तेज, विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

गयाजी, एजेंसी। पितृपक्ष मेला को लेकर बोधगया में तैयारियां तेज हो गई हैं। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को बोधगया अतिथि गृह में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर श्रद्धालुओं की सुविधा, बिजली, पेयजल, स्वच्छता, यातायात, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था, सड़क, शौचालय और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों की जानकारी ली। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और थाना प्रभारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि पितृपक्ष के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गया और बोधगया पहुंचते हैं। दक्षिण भारत से भी प्रतिदिन करीब 2,000 से 3,000 श्रद्धालु और पर्यटक बोधगया आते हैं। ऐसे में सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ काम करना होगा। उन्होंने मेला अवधि में पर्याप्त और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि जहां प्रकाश व्यवस्था में कमी है, वहां मरम्मत का कार्य जारी है। भूमि संबंधी मामलों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि परिमार्जन और दाखिल-खारिज के कार्यों में तेजी लाई जा रही है तथा शेष कार्य अगले एक महीने में पूरा करने का लक्ष्य है। वहीं, 73 भूमिहीन गरीब

परिवारों को आवास निर्माण के लिए तीन-तीन डिसमिल जमीन उपलब्ध कराई जा चुकी है। अध्यक्ष ने सरस्वती वेदी के पास पेवर ब्लॉक और पहुंच पथ के निर्माण तथा धर्मारण्य वेदी के पास क्षतिग्रस्त सीढ़ियों की मरम्मत की भी जानकारी ली। उन्होंने पौधरोपण और हरियाली बढ़ाने पर जोर दिया। नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट से महाबोधि मंदिर तक विशेष टीम से सफाई कराई जाएगी। नगर परिषद क्षेत्र में करीब 400 सफाईकर्मी कार्यरत हैं। श्रद्धालुओं के लिए छोटी गाड़ियों की नोड-1, बड़ी गाड़ियों की नोड-2 और वीआईपी वाहनों की पार्किंग कालचक्र मैदान के पास की गई है। बैठक में पेयजल और सीवेज परियोजनाओं की भी समीक्षा हुई। करीब 3,000 घरों में गंगाजल आधारित पेयजल पहुंच रहा है, जबकि लगभग 6,000 अन्य घरों के लिए करीब 135 करोड़ रुपए की योजना पर काम चल रहा है। करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से एसटीपी का निर्माण भी जारी है। एयरपोर्ट से महाबोधि मंदिर तक 10 स्थानों पर सार्वजनिक शौचालय बनाने की योजना है। डॉ. प्रेम कुमार ने महाबोधि मंदिर के आसपास भिखारियों और बेसहारा पशुओं की समस्या पर कार्रवाई के निर्देश दिए। जाम से निजात के लिए दोमुहान क्षेत्र में टोटो-टेंपो स्टैंड बनाने तथा सरकारी भूमि को समतल कर पार्किंग विकसित करने को कहा। उन्होंने कहा कि गया और बोधगया की पहचान विश्व स्तर पर है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला इस वर्ष 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के गयाजी पहुंचने की संभावना है।

शिक्षण में नई पद्धति पर मंथन, संत पॉल स्कूल में कार्यशाला आयोजित

तेघड़ा से रजनीश चौघरी

तेघड़ा, संत पॉल पब्लिक स्कूल, तेघड़ा में सीबीएसई पटना जोन के तत्वावधान में शिक्षकों के लिए ह्लयोग्यता-आधारित प्रशिक्षण एवं मूल्यांकनह्व विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को ऐसी शिक्षण-पद्धति से अवगत कराना था, जिसमें विद्यार्थियों के केवल सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय उनके वास्तविक कौशल, दक्षता एवं व्यावहारिक क्षमता के विकास पर विशेष जोर दिया जाता है।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक सुनील कुमार सिंह, रिसोर्स पर्सन-1 एवं डीएवी के प्राचार्य नीरज कुमार सिंह, रिसोर्स पर्सन-2 अनमोल कुमार दुबे, प्राचार्या तनु सौरभ एवं समन्वयक राम कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने मनमोहक गणेश वंदना प्रस्तुत की। वहीं सृष्टि एवं टीम द्वारा शास्त्रीय संगीत पर आधारित स्वागत नृत्य की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति की मनोरम छटा बिखेर दी।कार्यशाला के प्रारंभ में

विद्यालय प्रबंधक सुनील कुमार सिंह ने दोनों रिसोर्स पर्सन को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके पश्चात प्राचार्या तनु सौरभ के स्वागत संबोधन के साथ प्रशिक्षण सत्र प्रारंभ हुआ।प्रशिक्षण के दौरान रिसोर्स पर्सनों ने बताया कि योग्यता-आधारित शिक्षा में इस बात पर जोर दिया जाता है कि विद्यार्थी ने कितने समय तक पढ़ाई की, इसके बजाय यह देखा जाता है कि वह निर्धारित कौशल या योग्यता को तय मानक के अनुरूप हासिल कर पाया है या नहीं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल रटने तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक जीवन एवं कार्यक्षेत्र की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है।वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति अलग-अलग होती है। ऐसे में योग्यता-आधारित शिक्षा के माध्यम से कमजोर विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त समय एवं सहयोग दिया जा सकता है, जबकि तेज गति से सीखने वाले विद्यार्थियों को अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है तथा मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक स्पष्ट, पारदर्शी एवं परिणामपरक बनती है।कार्यशाला के समापन अवसर पर समन्वयक राम कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक एवं ऑफिस स्टाफ श्री सुरेंद्र कुमार सिंह, राकेश कुमार, संजीत कुमार, रंजीत कुमार, संजीव कुमार सिंह, दीपक कुमार, राज किशोर कुमार, अविनाश कुमार मिश्रा, प्रीति प्रिया, रीना कुमारी सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शानदार तरीके से बिहार को चला रहे हैं : राजीव रंजन

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की ओर से जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) विक्रेताओं की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखे जाने पर जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव कभी-कभी अपने गृह राज्य में दिखाई देते हैं और सिर्फ बयानों के लिए जाने जाते हैं, जबकि बिहार तेजी से आगे बढ़ रहा है। तेजस्वी यादव लगातार बिहार सरकार के विभिन्न विभागों में कथित भ्रष्टाचार और बाढ़ को लेकर सरकार की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते रहे हैं। आईएएनएस से बातचीत में जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन ने कहा कि तेजस्वी यादव ताबड़तोड़ बयानबाजी के लिए ही जाने जाते हैं। जमीनी स्तर पर उन्हें बिहार में देख पाना मुश्किल है। जब भी बिहार को जरूरत होती है, चाहे बाढ़ का समय हो, सूखे का समय हो या विधानमंडल का सत्र चल रहा हो, तेजस्वी कभी भी अपने गृह राज्य में दिखाई नहीं देते। बिहार शानदार तरीके से आगे बढ़ रहा है। 20 साल में नीतीश कुमार ने जो काम किया है, उसे सम्राट चौधरी आगे बढ़ा रहे हैं। राजद की दाल यहां गलने वाली नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के बयान पर राजीव रंजन ने कहा कि भारत के युवाओं को यह पता है कि 2047 के विकसित भारत के निर्माण में जेनजी, जेन-अल्फा और मिलेनियल पीढ़ी की भूमिका बेहद अहम होने वाली है। भारत एक सुविचारित दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में छात्रों के मन की वेदना को राहुल गांधी राजनीतिक नजरिए से देखते हैं। उन्हें झारखंड के छात्रों का दर्द समझ में नहीं आता। पंजाब के छात्र अगर परेशान हैं, तो वे उनकी प्राथमिकता सूची में नहीं हैं। विभाजित गूंज के जरिए बहुत बड़े बदलाव की कल्पना नहीं की जा सकती। इस तरह की रणनीति पर काम करने की वजह से वे बतौर नेता प्रतिपक्ष अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। दिल्ली के सत्य निकेतन की घटना के बाद पीजी को लेकर गाइडलाइंस बनाए जाने पर राजीव रंजन ने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना थी। जो दृश्य सामने आए, वे निस्संदेह चिंताजनक थे। इस घटना के बाद दिल्ली सरकार ने बड़े फैसले लिए हैं और कई अधिकारियों को निलंबित किया गया है। पीजी को लेकर गाइडलाइंस समय की मांग है। पीजी में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा के लिए दिल्ली सरकार ने जो भी प्रयास किए हैं, उन्हें अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए।

देवपुरा मध्य विद्यालय में तिथि भोज का आयोजन

नावकोठी.

प्रखंड के विष्णुपुर पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय देवपुरा में बुधवार को तिथि भोज का आयोजन किया गया.इस अवसर पर आयोजनकर्ता विद्यानचंद भारती ने बताया कि मेरी माँ के निधन के बाद उनकी आत्मा की शांति हेतु विद्यालय परिसर में भोज का आयोजन किया गया है.

इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी सदस्य एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे.मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार, शिक्षक विजय कुमार, रणधीर प्रसाद सिंह, मोहन कुमार, अभिषेक कुमार, कन्हैया माधव एवं शिक्षा सेवक मजीद हुसैन तथा ग्रामीण डॉ. सच्चिदानंद महतो, चन्द्रमणि भारती, इन्द्रचन्द्र पासवान सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे.

पीएचसी नावकोठी में 54 गर्भवतियों की प्रसव पूर्व जांच

नावकोठी, संवाददाता, अमित कुमार

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) नावकोठी में गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 54 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के दौरान 17 महिलाएं एनीमिया से ग्रसित पाई गईं, जबकि एक महिला में ब्लड शुगर की समस्या सामने आई।

चिकित्सक डॉ. भारती भूषण ने गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार दवाओं का सेवन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान रक्त की कमी मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। एनीमिया से बचाव के लिए आयरन एवं कैल्शियम की गोलियों का नियमित सेवन करने के साथ पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत शिविर, 17 महिलाएं एनीमिया से ग्रसित मिलीं

गई।

शिविर में एलटी पंकज जोशी ने गर्भवती महिलाओं का वजन, रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, मूत्र सहित अन्य आवश्यक जांच की। जांच के बाद सभी लाभार्थियों को आयरन, कैल्शियम सहित आवश्यक दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

डॉ. भारती भूषण ने गर्भवती महिलाओं को भारी काम से बचने, पर्याप्त आराम करने तथा सुरक्षित मातृत्व के लिए संस्थागत प्रसव कराने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, पके पीले फल, रागी एवं अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल करने की सलाह दी।

शिविर में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं के पहुंचने से काफी भीड़ रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएचओ राजा कुमार, रॉबिंस कुमार, सुभानी कुमारी, प्रियदर्शिनी कुमारी, भारती कुमारी, एलटी पंकज जोशी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

बिहारः तिरहुत स्नातक सीट पर फर्जी मतदाताओं की जांच और पंजीयन की तिथि बढ़ाने की मांग, राजद ने चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

पटना, एजेंसी। बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता पंजीयन को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने चुनाव आयोग से पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाने, कथित फर्जी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने और प्रक्रिया की निगरानी के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त करने की मांग की है। राजद के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की अनुपस्थिति में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, चित्तरंजन गगन, मदन शर्मा और फैयाज आलम कमाल शामिल थे। ज्ञापन में राजद ने आरोप लगाया कि तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए बड़े पैमाने पर फर्जी मतदाताओं का पंजीकरण किया गया है। पार्टी ने सीतामढ़ी जिलाधिकारी कार्यालय में प्रतिनियुक्त कर्मी रोहित चौधरी पर एक दल विशेष को कथित तौर पर अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया। हालांकि, ये आरोप राजद की ओर से लगाए गए हैं। राजद का कहना है कि जहां एक ओर कथित फर्जी मतदाताओं का पंजीकरण किया जा रहा है, वहीं विरोधी दलों के समर्थक स्नातक मतदाताओं के पंजीयन प्रपत्र स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। पार्टी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। ज्ञापन के मुताबिक, आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल कार्यालय, मुजफ्फरपुर ने मतदाता पंजीयन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 9 सितंबर निर्धारित की थी। राजद ने कहा कि आयुक्त के अवकाश पर रहने के कारण 3 और 4 सितंबर को प्रपत्र जमा नहीं लिए गए। इसके बाद 5 सितंबर को जन्माष्टमी और 6 सितंबर को रविवार होने के कारण प्रक्रिया प्रभावित रही। राजद ने आरोप लगाया कि 7 सितंबर को एक दल विशेष के संभावित उम्मीदवार द्वारा आयुक्त कार्यालय में हंगामा किए जाने के बाद मतदाता पंजीयन प्रपत्र जमा करने का कार्य बंद कर दिया गया। पार्टी ने चुनाव आयोग से मांग की है कि कथित फर्जी मतदाताओं की जांच कर उनके नाम सूची से हटाए जाएं, पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए और आयुक्त कार्यालय में अतिरिक्त काउंटर खोलकर प्रपत्र जमा कराने की व्यवस्था की जाए। साथ ही बंद किए गए चुनाव आयोग के पोर्टल को दोबारा शुरू करने की मांग की गई है। राजद ने निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए किसी वरिष्ठ पदाधिकारी को विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त करने की भी मांग की है, ताकि फर्जी मतदाताओं की जांच के साथ पात्र स्नातक मतदाताओं का पंजीयन सुनिश्चित हो सके।

'समर्पित सेवा के 25 साल': भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पीएम मोदी के बदलाव लाने वाले नेतृत्व को सलाम किया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवैधानिक सार्वजनिक पद पर 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा ने एक महीने तक चलने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू किया है। इस अभियान में उनकी राजनीतिक यात्रा को 'निर्णायक शासन, कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने, राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की महत्वाकांक्षाओं में बुनियादी बदलाव की कहानी' के तौर पर पेश किया जा रहा है। बुधवार को भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि यह कैंपेन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। पीएम मोदी के 25 साल के 'सेवा, सुशासन और जन कल्याण' के कामों को जमीनी

स्तर तक पहुंचाने के लिए 12 कार्यक्रम तय किए गए हैं। भाजपा का मुख्य तर्क यह है कि पीएम मोदी का रिकॉर्ड सिर्फ लंबे समय तक सत्ता में रहने का नहीं है, बल्कि बड़े पैमाने पर गवर्नेंस का है। नितिन नवीन के अनुसार, यह बदलाव सरकार के कल्याणकारी ढांचे में दिखता है। 80 करोड़ लोगों को अनाज की मदद मिल रही है, 100 करोड़ से ज्यादा लोग सामाजिक सुरक्षा योजना से जुड़े हैं, लगभग 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं, गरीबों के लिए 4 करोड़ से ज्यादा घर बनाए गए हैं और 200 करोड़ मुफ्त कोविड-19 वैक्सीन डोज दी गई है। पार्टी का यह भी दावा है कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। नवीन ने इसकी तुलना 2014 में पीएम मोदी को मिली स्थिति से की, जिसे उन्होंने पॉलिसी पैरालिसिस (नीतिगत गतिरोध) और आर्थिक अनिश्चितता का दौर बताया। भाजपा अब भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के तौर पर पेश करती है और तर्क देती है कि गवर्नेंस धीरे-धीरे सुधार करने के बजाय मिशन-मोड में काम करने और इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित विकास की ओर बढ़ी है। सुरक्षा का एक और अहम पहलू है। भाजपा का कहना है कि सरकार ने आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को मजबूत किया है, वामपंथी उग्रवाद के प्रभाव को कम किया है और पहले प्रभावित रहे 200 से ज्यादा जिलों को सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने में मदद की है। पार्टी भारत की बढ़ती वैश्विक पहचान की ओर भी इशारा करती है और पीएम मोदी को मिले 37 वैश्विक सम्मानों को देश के बढ़ते कद का सबूत बताती है। गवर्नेंस की बात सिर्फ इकोनॉमी तक सीमित नहीं है। भाजपा राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, सोमनाथ और महाकाल कॉरिडोर को ऐसी सरकार के उदाहरण के तौर पर पेश करती है, जो विकास और सांस्कृतिक विरासत को साथ लेकर चलती है। पार्टी देश की आर्थिक सोच में आए बदलाव को भी दिखा रही है। मैनपावर से मैन्युफैक्चरिंग पावर की ओर, कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से विकास में भागीदार बनने की ओर, और नौकरी खोजने वाले युवाओं से एंटरप्रेन्योर और नौकरी देने वाले बनने की ओर। स्टार्टअप, यूनिकॉर्न, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और स्पेस सेक्टर को बदलाव के प्रतीक के तौर पर पेश किया जा रहा है। महिलाओं के नेतृत्व में विकास एक और अहम पहलू है। इसमें भाजपा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'लखपति दीदी' तक के सफर और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के जरिए ज्यादा राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने की बात करती है।

मुजफ्फरपुर, पटना और अन्य जिलों में ऑरेंज अलर्ट, बारिश-आंधी और बिजली गिरने की आशंका

पटना, एजेंसी। बिहार में मौसम का हाल एक बार फिर बिगड़ गया है। आपदा प्रबंधन विभाग ने बुधवार को बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए कई जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। विभाग ने लोगों से कहा कि खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने और बिना जरूरत यात्रा करने या खुली जगहों पर जाने से बचने को चाहिए। मुजफ्फपुर जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश की संभावना है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे बिजली कड़कने और आंधी-तूफान के दौरान घर के अंदर रहें या सुरक्षित जगहों पर चले जाएं। मौसम के

अस्थिर रहने के दौरान लोगों को खुली जगहों पर न जाने की चेतावनी भी दी गई है। पटना और सिवान के लिए भी मौसम की चेतावनी जारी की गई है। दोनों जिलों में मध्यम बारिश, आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं की संभावना है। मौसम विभाग ने अलग से बुधवार को पूरे बिहार में बारिश, आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना जताई है। तेज हवाओं के साथ ऐसे हालात आने वाले दिनों में राज्य के कुछ हिस्सों में बने रहने की उम्मीद है। अधिकारियों ने लोगों से आंधी-तूफान और बिजली कड़कने के दौरान खुले खेतों, खेती वाली जगहों, अकेले खड़े पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने को कहा है। लोगों को सुरक्षित जगहों पर रहने और प्रशासन द्वारा जारी मौसम की चेतावनियों और निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। इस बीच, बिहार के कई हिस्सों में बाढ़ की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है और कई नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बारिश, आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना ने पहले से ही बाढ़ प्रभावित इलाकों में हालात को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पिछले कुछ दिनों में बिहार के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई है।

बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' किया जाए, संतोष सुमन ने सीएम सम्राट के सामने रखा प्रस्ताव

पटना, संवाददाता। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार में लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन ने बुधवार को पटना जिले के बख्तियारपुर का नाम बदलकर ह्लनीतीशपुरह्व किए जाने की मांग की है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के समक्ष यह प्रस्ताव रखते हुए कहा कि बख्तियारपुर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जन्मभूमि है और इस धरती को उनके नाम से सम्मानित किया जाना चाहिए। एनडीए में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के नेता संतोष कुमार सुमन ने कहा कि बख्तियारपुर केवल एक भौगोलिक पहचान नहीं है, बल्कि यह उस जननेता की जन्मभूमि है, जिन्होंने लंबे सार्वजनिक जीवन में बिहार की राजनीति, विकास और

शासन को नई दिशा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की जीवन-यात्रा, संघर्ष और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी अनेक स्मृतियां बख्तियारपुर की धरती से जुड़ी हैं। किसी महान जननेता की जन्मभूमि को उनके नाम से सम्मानित करना महज नाम परिवर्तन का विषय नहीं है, बल्कि इससे उस क्षेत्र के इतिहास, गौरव और उससे जुड़ी जनभावनाओं को सम्मान मिलेगा। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन ने कहा कि बिहार के विकास, सुशासन और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में नीतीश कुमार के योगदान को देखते हुए उनकी जन्मभूमि की पहचान भी उनके नाम से होनी चाहिए। जिस धरती ने बिहार को नीतीश कुमार जैसा जननेता दिया, उस धरती का नाम भी उनके गौरव से जुड़ा होना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''बख्तियारपुर बने 'नीतीशपुर'। यह केवल एक नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि उस मिट्टी के गौरव और इतिहास को सम्मान देने का प्रयास होगा।''संतोष कुमार सुमन के इस प्रस्ताव के बाद बख्तियारपुर के नाम परिवर्तन को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा तेज होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह पहल बिहार के एक प्रमुख जननेता की जन्मभूमि को विशिष्ट पहचान देने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को उनके सार्वजनिक जीवन और योगदान से परिचित कराने का माध्यम भी बनेगी।

एक नजर

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, सनसनी

भागलपुर, संवाददाता। जिले के बाईपास थाना क्षेत्र स्थित सन्हौली गांव में बुधवार को दहेज के दानव ने एक और विवाहिता की बलि ले ली। विवाहिता बीबी रेशमा (पति मोहम्मद सोहेल) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की मां, बीबी हाजरा खातून ने ससुराल पक्ष पर अपनी बेटी की पीट-पीटकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस घटना के बाद से मृतका के मायके परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मृतका की मां बीबी हाजरा खातून ने रोते-बिलखते हुए बताया कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को ससुराल वालों द्वारा कम दहेज लाने के ताने दिए जाते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि रेशमा को हमेशा दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था और अक्सर उसके साथ मारपीट की जाती थी।

इसी प्रताड़ना के बीच अचानक उसकी मौत की खबर सामने आई, जिससे मायके पक्ष के लोग स्तब्ध हैं। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मौत की वास्तविक वजह क्या है, यह जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की तफ्तीश में जुट गई है।

छपरा में भाजपा सदर पश्चिम मंडल में सेवा संकल्प अभियान की कार्यशाला संपन्न

सारण, संवाददाता। छपरा सदर पश्चिम मंडल कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और विकास को समर्पित सेवा संकल्प अभियान की मंडल कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता रिंकू सिंह ने की जबकि संचालन मंडल महामंत्री अजीत सिंह ने किया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में पहुंचे जिला महामंत्री विवेक कुमार सिंह ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम से अभियान की शुरूआत होगी। इसके तहत प्रत्येक बूथ पर लाभार्थियों से पांच दीये जलाने और मंदिरों-मठों में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री को आशीर्वाद देने का आग्रह किया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवाकाल को देश के लोकतांत्रिक इतिहास का स्वर्णिम काल बताया गया। कार्यशाला में कौशल किशोर सिंह, तेज नारायण सिंह, बलवंत सिंह सहित कई अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कटिहार में 6 लाख से अधिक आबादी बाढ़ से प्रभावित, राहत कार्य तेज

कटिहार, संवाददाता। जिले में गंगा, कोसी, बरांडी एवं कारी कोसी नदियों के जलस्तर में अप्रत्याशित वृद्धि से बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। जिले के कुसेर्ला, बरारी, अमदाबाद, मनिहारी तथा मनसाही अंचलों के अंतर्गत 49 ग्राम पंचायतों के 331 गांव और 3 नगर पंचायतों के 21 वार्ड बाढ़ के पानी से घिर चुके हैं। जिला प्रशासन के अनुसार अब तक कुल 6,09,234 की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन द्वारा प्रभावित इलाकों में आवागमन, भोजन, स्वास्थ्य, पेयजल और पशु चारा जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ युद्धस्तर पर राहत व बचाव कार्य चलाया जा रहा है।

बाढ़ की विभीषिका के बीच बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा ने मनिहारी एवं बरारी अंचल के बाढ़ प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया और पीड़ितों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने विकास भवन सभागार में स्थानीय विधायकों, विधान पार्षदों, जिला परिषद सदस्यों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर राहत कार्यों को और अधिक गति देने के निर्देश दिए।

विस्थापित एवं जलमग्न क्षेत्रों के लोगों के भोजन के लिए अब तक बरारी, कुसेर्ला, मनिहारी और अमदाबाद में संचालित 160 सामुदायिक रसोई केंद्रों के माध्यम से 2,95,010 लोगों को भोजन कराया जा चुका है। नए प्रभावित क्षेत्रों के लिए 91 अतिरिक्त रसोई केंद्र भी शुरू किए जा रहे हैं। वहीं आवागमन को सुगम बनाने के लिए विभिन्न अंचलों में 102 नावों का परिचालन किया जा रहा है, जिसमें बरारी में 26, मनिहारी में 25, कुसेर्ला में 24 और अमदाबाद में 14 नावें शामिल हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए 41 शिविरों के माध्यम से अब तक 2,993 मरीजों का इलाज किया गया है। वर्तमान में 24 दैनिक शिविरों के साथ 5 बोट एम्बुलेंस भी तैनात हैं। प्रभावित परिवारों के बीच अब तक 10,560 पॉलीथिन शीट्स बांटी गई हैं, जबकि मवेशियों के उपचार हेतु 5 पशु चिकित्सा शिविर लगाकर 1,273 पशुओं का इलाज और 130.30 क्विंटल सूखा चारा वितरित किया गया है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग ने शुद्ध पेयजल के लिए 51 चापाकल एवं 44 अस्थायी शौचालय स्थापित किए हैं। किसी भी आपात स्थिति में सहायता व सूचना के लिए जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (दूरभाषः 06452-239025, 239026, 242400) 24 घंटे पालीवार कार्यरत है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक पानी में न जाने की अपील की है।

मालदा मंडल ने 22 रेलकर्मियों को किया सम्मानित

भागलपुर, संवाददाता। पवित्र श्रावण माह के दौरान सुल्तानगंज में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक रेल यात्रा सुनिश्चित करने वाले रेलकर्मियों को पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा बुधवार को सम्मानित किया गया है। श्रावणी मेला 2026 के दौरान सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा, प्रभावी भीड़ प्रबंधन और रेल सेवाओं के सुचारू संचालन में उत्कृष्ट सेवा, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देने वाले अग्रिम पंक्ति के 22 रेल कर्मचारियों को इस सम्मान के लिए चुना गया। इस उपलक्ष्य में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मालदा में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह मालदा के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार मौर्य के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न विभागों के शाखा अधिकारी एवं अन्य रेल अधिकारी भी मौजूद रहे। समारोह के दौरान मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता ने सभी 22 रेल कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले कर्मचारियों में वाणिज्यिक, परिचालन, सुरक्षा एवं जनसंपर्क विभागों के साथ-साथ चिकित्सा, यांत्रिक, विद्युत, इंजीनियरिंग तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मी शामिल थे। इन सभी ने मेला अवधि के दौरान अत्यधिक यात्री दबाव के बीच उत्कृष्ट कार्य निष्पादन और जिम्मेदारी की भावना का परिचय दिया। इन सभी रेलकर्मियों के समन्वित प्रयासों से सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन पर प्रभावी भीड़ प्रबंधन, यात्रियों की त्वरित सहायता, श्रद्धालुओं की सुचारू आवाजाही तथा सुरक्षित यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित हो सकी। इस अवसर पर रेल प्रबंधन ने कहा कि यह सम्मान अत्यधिक यात्री दबाव वाले इस महत्वपूर्ण मेले के दौरान प्रतिबद्धता, अनुशासन एवं व्यावसायिक दक्षता के साथ कार्य करने वाले रेल कर्मयोगियों के प्रति आभार और प्रशंसा की अभिव्यक्ति है।

45 वर्षीय महिला के 550 ग्राम ओवेरियन सिस्ट का सफल ऑपरेशन

सुपौल, संवाददाता। सदर अस्पताल सुपौल में चिकित्सकों की टीम ने 45 वर्षीय महिला के 550 ग्राम वजन के ओवेरियन सिस्ट (अंडाशय की गांठ) का सफल ऑपरेशन किया। यह ऑपरेशन 8 सितंबर 2026 को डॉ. राजेश पासवान एवं ओटी टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम के बेहतर समन्वय से किए गए इस ऑपरेशन को जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अस्पताल में जटिल सर्जिकल सेवाएं उपलब्ध होने से मरीजों को उपचार के लिए दूसरे शहरों में रेफर किए जाने की आवश्यकता कम करने में मदद मिल रही है। सदर अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, अस्पताल में लगातार आवश्यक एवं जटिल सर्जिकल सेवाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में 550 ग्राम के ओवेरियन सिस्ट का सफल ऑपरेशन चिकित्सा टीम की दक्षता और टीमवर्क का उल्लेखनीय उदाहरण है। यह ऑपरेशन सिविल सर्जन डॉ. बाबू साहब झा की अध्यक्षता तथा उपाधीक्षक डॉ. नूतन वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक बालकृष्ण चौधरी और अस्पताल प्रबंधक अभिनव आनंद के सहयोग से संपन्न हुआ। ऑपरेशन के दौरान ओटी स्टाफ के साथ छात्र भी मौजूद रहे, जिससे उन्हें व्यावहारिक चिकित्सा एवं सर्जिकल प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर मिला। ऑपरेशन के बाद सिविल सर्जन डॉ. बाबू साहब झा ने चिकित्सक, ओटी स्टाफ और इसमें शामिल छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए पूरी टीम के कार्य की सराहना की। उन्होंने टीम के बेहतर समन्वय और कार्य के लिए सभी का मनोबल बढ़ाया। सदर अस्पताल में इस प्रकार के जटिल ऑपरेशन का सफल होना जिले के मरीजों के लिए राहत की खबर है।

पीएमएसएमए के तहत 500 से अधिक गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

किशनगंज, संवाददाता। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत बुधवार को जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में 500 से अधिक गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच की गई। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के निर्देश और जिलाधिकारी नवीन कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार और चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। सदर अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं की जांच हुई। इस दौरान महिलाओं को नियमित प्रसवपूर्व जांच, संतुलित आहार तथा आयरन-फोलिक एसिड के सेवन के प्रति जागरूक किया गया। गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं पर विशेष निगरानी रखी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोचाधामन में जांच के दौरान जिन गर्भवती महिलाओं का हीमोग्लोबिन 8 ग्राम से कम पाया गया, उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में भर्ती कर आवश्यक उपचार दिया गया। गंभीर एनीमिया से पीड़ित पात्र महिलाओं को एफसीएम 500 मिलीग्राम इंजेक्शन भी दिया गया। समय पर उपचार मिलने से मरीजों के परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग की पहल की सराहना की। पीएमएसएमए के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरगंज में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण डीडीए सुमन सिन्हा ने किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को मिल रही जांच, दवा और चिकित्सकीय परामर्श सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा स्वास्थ्यकर्मियों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

सुल्तानगंज में बाढ़ के पानी में फैला करंट, नाबालिग युवक की दर्दनाक मौत

भागलपुर, संवाददाता। जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गनगनिया फतेहपुर गांव में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। इलाके में फैले बाढ़ के पानी के बीच बिजली के चालू तार की चपेट में आने से बुधवार को एक नाबालिग युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गनगनिया फतेहपुर निवासी रोहित कुमार के रूप में हुई है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि पूरे इलाके में इन दिनों बाढ़ का पानी फैला हुआ है। इसी बीच रोहित घर के पास लगे चापाकल पर नहाने के लिए पानी में उतरा था। बाढ़ के पानी में पहले से ही बिजली का एक क्षतिग्रस्त तार गिरा हुआ था, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। जैसे ही रोहित पानी में आगे बढ़ा, वह सीधे करंट की चपेट में आ गया। बिजली का झटका इतना जोरदार था कि देखते ही देखते वह बुरी तरह झुलस गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद से गांव में चीख-पुकार मची हुई है। घटना को लेकर मृतक के परिजन और ग्रामीणों में बिजली विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। मृतक की चाची और अन्य ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बाढ़ के पानी में करंट उतरने की जानकारी स्थानीय स्तर पर विभाग के कई लोगों और लाइनमैन को पहले ही दे दी गई थी। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मियों ने इस पर कोई गंभीरता नहीं दिखाई। परिजन का कहना है कि अगर समय रहते बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती या क्षतिग्रस्त तार को दुरुस्त कर लिया जाता, तो आज रोहित की जान बचाई जा सकती थी। बाढ़ के पानी और बिजली के जर्जर व खुले तारों का यह खतरनाक तालमेल अब लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ने लगा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था की तत्काल सघन जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि जहां भी पानी जमा है, वहां के खुले और क्षतिग्रस्त तारों को तुरंत दुरुस्त या सुरक्षित किया जाए ताकि भविष्य में किसी और मासूम को अपनी जान न गंवानी पड़े।

बाढ़ के बीच पूर्व रेलवे अलर्ट, 24 घंटे निगरानी

भागलपुर, संवाददाता। गंगा नदी में बढ़े जलस्तर के कारण पूर्व रेलवे के मालदा मंडल अंतर्गत कहलगांव-भागलपुर-जमालपुर रेल खंड पर सुरक्षात्मक कदम उठाए गए हैं। मुंगेर और भागलपुर में गंगा नदी खतरे के निशान से क्रमशः 0.75 मीटर और 0.92 मीटर ऊपर बह रही है, जिसके चलते कई रेलवे पुलों पर पानी का स्तर गंभीर बना हुआ है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय और डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता के निर्देशन में व्यापक एहतियाती उपाय लागू किए गए हैं। भारतीय रेलवे ब्रिज मैनुअल के तहत प्रभावित पुलों पर गति प्रतिबंध (कॉशन स्पीड) लागू किया गया है। ब्रिज संख्या 130, 135, 144अ, 181, 188, 195, 197 और 198 पर ट्रेनों को 30 किमी/घंटा और ब्रिज संख्या 145ए पर 20 किमी/घंटा की सीमित रफ्तार से चलाया जा रहा है।

रौनक, उमंग और अमन जीविका सहकारी समितियों की वार्षिक आमसभा आयोजित

किशनगंज, संवाददाता। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और सामुदायिक संगठनों को मजबूत करने के उद्देश्य से दिघलबैंक प्रखंड के रौनक, बहादुरगंज के उमंग और पोठिया स्थित अमन जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आमसभा आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। आमसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान समितियों की ओर से किए गए कार्यों और गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की सदस्य जीविका दीदियों ने वर्षभर की उपलब्धियों और कार्यों की जानकारी साझा की। इसके साथ ही आगामी वर्ष के लिए प्रस्तावित कार्ययोजना और लक्ष्यों पर भी चर्चा की गई। सदस्यों से बेहतर कार्य के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीविका डीपीएम अनुराधा चंद्रा ने कहा कि स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और संकुल संघ से जुड़कर जिले की महिलाएं रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। जीविका के सामुदायिक संगठनों से पूंजीगत सहयोग प्राप्त कर महिलाएं अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार रोजगार के साधन विकसित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक प्रगति से परिवार में खुशहाली के साथ समाज में उनका सम्मान और आत्मविश्वास भी बढ़ा है। आमसभा में सालभर उत्कृष्ट कार्य करने वाली जीविका दीदियों को सम्मानित किया गया। जीविका से जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से प्रगति करने वाली महिलाओं ने अपने अनुभव भी साझा किए।

गणेश महोत्सव 15 सितंबर को 14 को मनाया जाएगा चौठचंद्र

सुपौल, संवाददाता। वर्ष 2026 में गणेश महोत्सव एवं सिद्धिविनायक व्रत की तिथि को लेकर पंचांग परंपराओं के आधार पर अलग-अलग मत सामने आए हैं। मिथिला की पंचांग परंपरा के अनुसार इस वर्ष श्रीगणेश पूजनोत्सव एवं सिद्धिविनायक व्रत 15 सितंबर 2026, मंगलवार को मनाया जाएगा। वहीं चौठचंद्र (चौरचन) पर्व 14 सितंबर, सोमवार की शाम को मनाया जाएगा।

प्राप्त तिथि-गणना के अनुसार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी तिथि 14 सितंबर को सुबह 7:27 बजे प्रारंभ होकर 15 सितंबर को सुबह 8:03 बजे तक रहेगी। इसके बाद पंचमी तिथि शुरू हो जाएगी। धर्मशास्त्रीय परंपरा में एक मत के अनुसार गणेश पूजन के लिए मध्याह्न काल में चतुर्थी की व्याप्ति को प्रमुख माना जाता है। इस आधार पर 14 सितंबर को गणेश पूजन के लिए ग्राह्य माना जा सकता है, क्योंकि इस दिन मध्याह्न काल में चतुर्थी विद्यमान रहेगी।

हालांकि, मिथिला पंचांग परंपरा, जिसमें कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय पंचांग एवं वैदेही पंचांग शामिल हैं, के अनुसार 15 सितंबर को गणेशोत्सव मनाना अधिक उपयुक्त माना गया है। इसके पीछे उदयातिथि, परविद्धा तिथि तथा चतुर्थी-पंचमी के संयोग को प्रमुख आधार बताया गया है। 15 सितंबर को सूर्योदय के समय चतुर्थी तिथि विद्यमान रहेगी और लगभग सुबह 8:03 बजे तक चतुर्थी रहेगी। साथ ही यह दिन मंगलवार होने के कारण भौम-चतुर्थी का संयोग बन रहा है। शास्त्रीय मान्यताओं में इस संयोग को विशेष फलदायी माना गया है। तंत्राचार्य अरुण कुमार झा ह्यमुन्नाह्ल के अनुसार मिथिला की धार्मिक परंपरा में पंचांग निर्धारण में केवल तिथि की गणना ही नहीं, बल्कि उदयकालीन तिथि, वार और तिथि-युग्म को भी महत्व दिया जाता है। उनके अनुसार 15 सितंबर को बनने वाला भौम-चतुर्थी संयोग गणपति पूजन और साधना की दृष्टि से विशेष है। उन्होंने साधकों एवं यजमानों को सलाह दी है कि 15 सितंबर को सुबह 8:03 बजे से पहले ही संकल्प, कलश स्थापना एवं पार्थिव गणेश पूजन का प्रारंभ कर लें, ताकि चतुर्थी तिथि की उपस्थिति में अनुष्ठान शुरू किया जा सके।

बिहार में संविदा डॉक्टरों का बढ़ा मानदेय

पटना, संवाददाता। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों में संविदा पर कार्यरत चिकित्सकों एवं चिकित्सा शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि को स्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़. करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि बिहार के लोगों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। इसके लिए चिकित्सकों, चिकित्सा शिक्षकों और रेजिडेंट डॉक्टरों को बेहतर कार्यपरिस्थितियां और सम्मानजनक मानदेय उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने संविदा पर कार्यरत प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, सीनियर रेजिडेंट, ट्यूटर एवं जूनियर रेजिडेंट के मानदेय में महत्वपूर्ण वृद्धि की है।

'ठुकरा के मेरा प्यार-2' की सफलता के बाद संचिता बसु ने तीसरे सीजन पर बरकरार रखी सस्पेंस

भागलपुर, संवाददाता। जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई चर्चित वेब सीरीज ठुकरा के मेरा प्यार का दूसरा सीजन दर्शकों के बीच धूम मचा रहा है। प्यार, धोखा, बदला और राजनीति के ताने-बाने से बुनी इस सीरीज की शानदार सफलता के बाद मुख्य अभिनेत्री संचिता बसु ने बुधवार को भागलपुर स्थित अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से मुखातिब होते हुए संचिता बसु ने कहा, ह्यठुकरा के मेरा प्यारह्ल मेरे करियर का बेहद खास और दिल के करीब रहने वाला प्रोजेक्ट है। कई महीनों की कड़ी मेहनत के बाद सीजन 1 और फिर सीजन 2 की शूटिंग पूरी हुई थी। पहले सीजन की कामयाबी के बाद दर्शकों को इसके दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार था और अब सीजन 2 को भी दर्शकों ने उम्मीद से बढ़कर प्यार दिया है।

उन्होंने इस सीरीज को सफल बनाने के लिए अपने फैंस और दर्शकों का आभार व्यक्त किया। सीरीज के प्रति दर्शकों की दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके सीजन 2 के 50 एपिसोड पूरे होने तक सोशल मीडिया पर 10 लाख से अधिक रील्स बनाए जाने का दावा किया जा रहा है। वहीं, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर यह सीरीज करोड़ों दर्शकों तक अपनी पहुंच बना चुकी है। वेब सीरीज के अगले भाग यानी सीजन 3 को लेकर जब संचिता से सवाल किया गया, तो उन्होंने सस्पेंस बरकरार रखते हुए कहा कि फिलहाल इसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा सकती, इसके लिए दर्शकों को थोड़ा इंतजार करना होगा। हालांकि, उन्होंने यह जरूर संकेत दिया कि यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो जल्द ही फैंस को एक नए बड़े प्रोजेक्ट की खुशखबरी मिल सकती है। बातचीत के दौरान जब संचिता से उनके क्रश के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए बॉलीवुड के सुल्तान सलमान खान का नाम लिया। उन्होंने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि सलमान खान उनके क्रश हैं और अगर कभी मौका मिला, तो वह उनके साथ बड़े पर्दे पर जरूर स्क्रीन शेयर करना चाहेंगी। कहानी के केंद्र में शानविका चौहान (संचिता बसु) और कुलदीप कुमार का रिश्ता है, जहां प्यार और धोखे के पुराने जख्म एक बार फिर हरे हो जाते हैं।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा भाजपा का सेवा समर्पण अभियान

महाकुंभ में शामिल होंगे प्रधानमंत्री

सीवान, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के संसदीय एवं सार्वजनिक जीवन के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह का सेवा समर्पण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा कार्यों, विकास योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ लाभार्थियों से प्रधानमंत्री के प्रति आशीर्वाद प्राप्त किया जाएगा इसको लेकर भाजपा की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित कर कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा की जानकारी दी गयी।

प्रेस वार्ता में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल, पर्यटन मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं नेता मौजूद रहे।

पर्यटन मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने बताया कि अभियान की शुरूआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर ह्यआशीर्वाद का दीपह्न जलाने के साथ होगी. शाम आठ बजे जिले के घरों, मंदिरों, चौक-चौराहों और प्रमुख स्थानों पर दीप जलाकर प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन तथा विकसित, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत के निर्माण के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद व्यक्त करने की अपील की गयी है।

सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने कहा कि नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के राजनीतिक जीवन में मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में लगातार ह्यसेवाह्न को प्राथमिकता दी गयी। गरीब, महिला, किसान और युवाओं को केंद्र में रखकर अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की गयी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश हमेशा नेशन फर्स्ट रहा है और इसी सोच के साथ देश को विकसित एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि अभियान के दौरान कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क करेंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना सहित विभिन्न योजनाओं से मिले लाभ की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। कार्यकताओं से लाभार्थियों को अभियान से जोड़ने तथा प्रधानमंत्री के प्रति उनके आभार को जनभागीदारी में बदलने का आह्वान किया गया.अभियान के तहत यात्रा, सेवा सेतु अभियान, रंगोली के माध्यम से प्रधानमंत्री की कल्याणकारी योजनाओं का प्रदर्शन और 25 साल, 25 कहानियां जैसे कार्यक्रम भी होंगे। रंगोली के माध्यम से आयुष्मान भारत, उज्ज्वला सहित विभिन्न योजनाओं को प्रदर्शित कर लोगों को उनके लाभ की जानकारी दी जाएगी। अभियान के अंतिम चरण में जनप्रतिनिधियों का महाकुंभ आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर से सवा लाख से अधिक जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की बात कही गई है. कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे। भाजपा नेताओं ने कार्यकताओं से अपील की कि अभियान को केवल पार्टी कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यापक जनभागीदारी का अभियान बनाते हुए प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवा कार्यों को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाएं।

एक नजर

नवादा में सांसद ने की खेल महोत्सव की घोषणा

नवादा, संवाददाता। नवादा जिला खेल सम्मान समारोह-2026 का आयोजन भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक गुलशन कुमार की अध्यक्षता में किया गया। समारोह में जिले के विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल से जुड़े लोगों एवं मीडिया कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नवादा सांसद विवेक ठाकुर, विशिष्ट अतिथि रजौली विधायक विमल राजवंशी, हम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह बिहार फ्लैग फुटबॉल संघ के अध्यक्ष श्याम सुंदर शरण, बिहार क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष गोपाल बोहरा, भाजपा नेता शशि भूषण बबलू, एबीवीपी के अभय राणा एवं अरविन्द कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद एवं खेल जगत की महान हस्ती मेवालाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद विवेक ठाकुर ने कहा कि नवादा में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर नवादा का नाम रोशन किया है। जरूरत है कि इन प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण, खेल मैदान, खेल सामग्री और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता में है। खेल मैदान, प्रशिक्षण, खेल सामग्री तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को संबंधित स्तर पर उठाकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा।

महावीरी झंडा शोभा यात्रा को भव्य बनाने की तैयारियां तेज

अररिया, संवाददाता। फारबिसगंज के सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से आगामी 13 सितंबर को निकलने वाली ऐतिहासिक महावीरी झंडा शोभा यात्रा को लेकर आयोजन समिति के सदस्यों ने तैयारियों को युद्धस्तर पर तेज कर दी है। इसी कड़ी में संचालन समिति के सदस्यों ने सांसद प्रदीप सिंह से अररिया आवास पर मुलाकात कर तैयारियों और गांव-गांव में चल रहे जनसंपर्क अभियान की जानकारी दी।सांसद ने समिति के सदस्यों का उत्साह बढ़ाने के साथ हरसंभव सहयोग और शोभा यात्रा में शामिल होने का भरोसा दिया। प्रतिनिधि मंडल में संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य सच्चिदानंद मेहता, विमल सिंह, गणेश ठाकुर, माधव लाल कर्ण,अंजनी मिश्रा और शिवम दुबे आदि शामिल थे। समिति के सदस्यों ने सांसद को आगामी शोभा यात्रा में अधिक से अधिक अखाड़ों को शामिल करने की योजना और इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर चल रहे व्यापक जनसंपर्क अभियान की विस्तृत जानकारी दी।

गुठनी की खुशी ने दिखाया रास्ता, खेल मैदान से पहुंची इनकम टैक्स विभाग तक

सीवान, संवाददाता। सपने छोटे-बड़े नहीं होते, उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत और हौसले की जरूरत होती है। गुठनी की बेटी और रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी खुशी कुमारी ने इसे सच कर दिखाया है। कभी फुटबॉल के मैदान पर देश के लिए गोल बचाने वाली खुशी अब मुंबई में इनकम टैक्स विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगी। खेल कोटे से सरकारी नौकरी हासिल कर खुशी ने न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि क्षेत्र के उन युवा खिलाड़ियों को भी नई उम्मीद दी है, जो खेल को अपना करियर बनाना चाहते हैं। स्वर्गीय सीताराम पासी एवं प्रभावती देवी की सबसे छोटी संतान खुशी ने रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी में

प्रशिक्षण लेकर अपने खेल को निखारा। सीमित संसाधनों के बावजूद लगातार अभ्यास, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने उन्हें स्थानीय मैदान से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल तक पहुंचाया। उन्होंने भारतीय टीम की गोलकीपर के रूप में देश का प्रतिनिधित्व किया और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। अकादमी के निदेशक एवं खुशी के प्रशिक्षक संजय पाठक ने बताया कि खुशी ने 2023 में जॉर्डन और थाईलैंड में आयोजित रअत्रन्न्ह अंडर-17 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम की गोलकीपर के रूप में हिस्सा लिया। इसके बाद 2024 में बांग्लादेश के ढाका में आयोजित रअत्रन्न्ह अंडर-19 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप में भी भारतीय टीम का हिस्सा बनीं और भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। खुशी की सफलता यह संदेश देती है कि खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्मानजनक करियर और सरकारी नौकरी का रास्ता भी खोल सकता है। आज खेल कोटे के माध्यम से प्रतिभावान खिलाड़ियों को विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। खुशी की उपलब्धि उन अभिभावकों के लिए भी संदेश है, जो बच्चों को खेल में भविष्य बनाने से रोकते हैं। संजय पाठक ने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के करीब डेढ़ दर्जन खिलाड़ी खेल कोटे से बिहार सरकार, केंद्र सरकार और अर्धसैनिक बलों में नौकरी हासिल कर चुके हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से कहा कि हार से घबराने के बजाय रोज मैदान पर मेहनत करें। प्रतिभा को अनुशासन, नियमित अभ्यास और सही मार्गदर्शन मिले तो गांव-कस्बे का खिलाड़ी भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकता है।

स्कूल वाहन में कंटेनर ने पीछे से मारी टक्कर, चालक समेत छह छात्र छात्राएं घायल

अररिया, संवाददाता। अररिया-फारबिसगंज मार्ग में एनएच 27 स्थित मुरबल्ला चौक के पास अनियंत्रित तेज रफ्तार कंटेनर ने सड़क किनारे खड़े स्कूल वाहन में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।इस सड़क हादसे में स्कूल वाहन के चालक समेत छह छात्र-छात्राएं घायल हो गए।जिन्हें स्थानीय लोगों के मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, स्कूल वाहन सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे कंटेनर ने वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। लोगों ने अररिया आरएस थाना और यातायात थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल ड्राइवर व छात्र-छात्राओं को सदर अस्पताल अररिया पहुंचाया।

कालाजार की बालू मक्खी पर केंद्रीय टीम की नजर, शुरू किया सघन सर्वे

सीवान, संवाददाता। कालाजार के खिलाफ चल रही नियंत्रण गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय टीम ने जिले के कालाजार प्रभावित गांवों में पहुंचकर बीमारी के प्रमुख वाहक बालू मक्खी (सैंड फ्लाई) की सघनता का वैज्ञानिक आकलन किया। टीम ने गोरेयाकोठी प्रखंड के सिसई और भगवानपुर हाट प्रखंड के रतौली गांव में वेक्टर डेंसिटी का निरीक्षण किया।

इस दौरान निर्धारित वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत बालू मक्खियों को पकड़कर सुरक्षित रूप से संग्रहित किया गया। इन नमूनों का आगे प्रयोगशाला स्तर पर परीक्षण एवं वैज्ञानिक अध्ययन किया जाएगा। केंद्रीय टीम के निरीक्षण का उद्देश्य केवल प्रभावित गांवों में बालू मक्खी की मौजूदगी का पता लगाना नहीं, बल्कि उसकी संख्या, वितरण और सघनता का आकलन करना भी था। इससे कालाजार संक्रमण के संभावित जोखिम और वर्तमान वेक्टर नियंत्रण गतिविधियों की प्रभावशीलता को समझने में स्वास्थ्य विभाग को मदद मिलेगी। केंद्रीय निरीक्षण दल ने पहले गोरियाकोठी प्रखंड के सिसई गांव का दौरा किया। इसके बाद भगवानपुर हाट प्रखंड के कालाजार प्रभावित रतौली गांव में वेक्टर डेंसिटी का सर्वे किया गया। दोनों स्थानों पर टीम ने निर्धारित वैज्ञानिक प्रक्रिया के अनुसार बालू मक्खियों को पकड़ा और उन्हें आगे की जांच के लिए सुरक्षित रखा। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, बालू मक्खी कालाजार का प्रमुख वाहक है। ऐसे में प्रभावित क्षेत्रों में इसकी संख्या और सघनता की जानकारी बीमारी के नियंत्रण की रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाती है। केंद्रीय टीम के लिए 7 से 11 सितंबर 2026 तक वेक्टर डेंसिटी निरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके तहत सीवान के गोरेयाकोठी, भगवानपुर हाट और बसंतपुर प्रखंड के कालाजार प्रभावित गांवों के साथ गोपालगंज के बरौली, बैकुंठपुर और मांझा प्रखंड के प्रभावित गांवों में भी बालू मक्खी की सघनता का आकलन किया जाएगा। निरीक्षण दल में राष्ट्रीय, राज्य, जोनल एवं जिला स्तर के अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल रहे। राष्ट्रीय स्तर से नेशनल एंटोमोलॉजिस्ट यज्ञ नाथ प्रसाद शर्मा, मलेरिया इंस्पेक्टर अनिल नेगी एवं जुग्गुल किशोर मीणा, राज्य स्तर से स्टेट एंटोमोलॉजिस्ट मोहन कुमार तथा जोनल स्तर से मुजफ्फरपुर के जोनल एंटोमोलॉजिस्ट नीरज कुमार सिंह ने निरीक्षण में भाग लिया।

बोट एम्बुलेंस से 1700 का उपचार, 453 गर्भवती महिलाओं पर विशेष नजर

कटिहार, संवाददाता। जिले में बाढ़ के कारण सड़क संपर्क टूटने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित इलाकों में मोर्चा संभालते हुए बोट क्लीनिक और बोट एम्बुलेंस के जरिए चिकित्सा सेवा पहुंचानी शुरू कर दी है। बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा ने बुधवार को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर मेडिकल कैंपों और बोट क्लीनिकों का निरीक्षण किया तथा विभाग के प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। जिले के कुरसेला, अहमदाबाद, मनिहारी और बरारी प्रखंडों में चार विशेष बोट क्लीनिक और 24 मेडिकल कैंप संचालित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से जलमग्न इलाकों तक दवाएं व स्वास्थ्यकर्मी पहुंचाकर अब तक 1,700 से अधिक पीड़ितों का इलाज किया जा चुका है। आपदा के

बीच गर्भवती महिलाओं की सुरक्षित डिलीवरी स्वास्थ्य विभाग की शीर्ष प्राथमिकता बनी हुई है। सितंबर और अक्टूबर माह में संभावित प्रसव के मद्देनजर विभाग ने आजमनगर में 165, बलरामपुर में 149, बरारी में 110 और अहमदाबाद में 29 गर्भवती महिलाओं की सूची तैयार कर उन्हें विशेष निगरानी में रखा है। जमीनी स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया गया है कि प्रसव की संभावित तिथि से पहले ही इन महिलाओं को सुरक्षित रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाया जाए, ताकि संस्थागत प्रसव कराया जा सके। इसी क्रम में बुधवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले भर में करीब 2,000 महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच की गई, जिसमें गंभीर एनीमिया से पीड़ित 21 हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं को एम्बुलेंस से केंद्र लाकर एफसीएम इंजेक्शन दिया गया।

नौबतपुर में आपूर्ति पदाधिकारी 8 हजार घूस लेते गिरफ्तार

फुलवारीशरीफ, संवाददाता। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को पटना जिले के नौबतपुर में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को 8 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के साथ ही निगरानी थाने में दर्ज मामलों की संख्या 100/2026 हो गई है। निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक आदित्य राज ने बताया कि बारा गांव के जन वितरण दुकानदार कृष्णकांत कुमार से बिनोद कुमार ने हर महीने ऑडिट के नाम पर 8 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत सामने आने के बाद निगरानी विभाग की टीम ने मामले की जांच की। शिकायत सही पाए जाने पर अधिकारियों ने विनोद को पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

कांग्रेस ने शुरू किया चलो जड़ों की ओर अभियान पुराने कार्यकर्ताओं को जोड़ने की मुहिम तेज

सुपौल, संवाददाता। कांग्रेस पार्टी ने जिले में जमीन से जुड़े पुराने और विश्वसनीय कार्यकताओं को फिर से सक्रिय करने की मुहिम शुरू की है। इसी उद्देश्य से जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम के नेतृत्व में ह्लचलो जड़ों की ओरह्व अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में कार्यकताओं के साथ संवाद और बैठकें आयोजित की जा रही हैं। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राजनारायण प्रसाद गुप्ता ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में जिलाध्यक्ष अनुपम ने जिले के विभिन्न प्रखंडों का दौरा कर दर्जनों सफल संवाद बैठकें की हैं।

इसी क्रम में प्रतापगंज कांग्रेस

कमिटी की बैठक आयोजित हुई तथा कई पंचायतों में भी कार्यक्रम किए गए। उन्होंने दावा किया कि जिन क्षेत्रों में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं का संवाद हुआ, वहां पुराने कार्यकताओं में फिर से उत्साह देखने को मिल रहा है और लोग पार्टी के प्रति अपना भरोसा जता रहे हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में पिपरा, किशनपुर, त्रिवेणीगंज, सरायगढ़-भपटियाही सहित अन्य प्रखंडों में भी चलो जड़ों की ओर अभियान के तहत बैठकें आयोजित की जाएंगी। कांग्रेस नेता एवं प्रतापगंज प्रभारी परमेश्वर कुंवर ने कहा कि अनुपम के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद पार्टी कार्यकताओं में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ वर्षों में जो पुराने कार्यकर्ता निष्क्रिय हो गए थे, वे अब सक्रिय होकर जिलाध्यक्ष से संपर्क कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समर्पित कार्यकताओं के बीच पार्टी के भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगी है और अनुपम के नेतृत्व में पूरी कांग्रेस इस उम्मीद को संगठन का रूप देने में जुटी है। वहीं, जिलाध्यक्ष अनुपम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की समाज में मजबूत जड़ें हैं और आम जनता बदलाव के लिए कांग्रेस की ओर देखती है। ऐसे में पार्टी का दायित्व है कि वह जनता की उम्मीदों पर खरा उतरे। इसी उद्देश्य से वे लगातार जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं।

सारण में माही नदी के क्षतिग्रस्त तटबंध की मात्र दो दिनों में हुई मरम्मत, उपमुख्यमंत्री ने किया स्थलीय निरीक्षण

सारण, संवाददाता। बाढ़ प्रभावित सारण जिले में जिला प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग की अभियंत्रण टीम की कार्रवाई से माही नदी के दाएं तटबंध के 11.90 किलोमीटर बिंदु पर हुई टूटन की मरम्मत मात्र दो दिनों में पूरी कर ली गई है। तटबंध की इस टूटन को प्रभावी ढंग से बंद करते हुए नदी के बहाव को पूर्ण रूप से नियंत्रित कर लिया गया है।

जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ नीना झा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 06 सितंबर को गंगा नदी के उच्चतम जलस्तर के कारण उत्पन्न बैकवॉटरिंग की स्थिति के फलस्वरूप माही नदी का यह तटबंध क्षतिग्रस्त होकर टूट गया था। इस घटना की सूचना मिलते ही जल संसाधन विभाग के मुख्य

अभियंता, बाढ़ संघर्षात्मक कार्य के अध्यक्ष तथा कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण एवं जल निसरण प्रमंडल, छपरा के नेतृत्व में तकनीकी टीम ने तत्काल स्थल पर पहुंचकर युद्धस्तर पर बाढ़ संघर्षात्मक कार्य प्रारंभ कर दिया था। अभियंत्रण विभाग की समर्पित टीम ने लगातार दिन-रात काम करते हुए आवश्यक तकनीकी संसाधन जुटाए और 08 सितंबर की रात तक तटबंध की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया तथा नदी के बहाव को रोक दिया। इस कार्रवाई से संभावित गंभीर स्थिति को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। यह पूरा अभियान जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन और सतत मॉनिटरिंग में संपन्न हुआ। जिला प्रशासन ने स्थल की स्थिति पर लगातार निगरानी रखते हुए अभियंत्रण विभाग के साथ निरंतर समन्वय स्थापित किया, जिसके परिणामस्वरूप यह कार्य अत्यंत कम समय में संभव हो सका।

आज उपमुख्यमंत्री-सह-प्रभारी मंत्री सारण विजेंद्र प्रसाद यादव ने माही नदी के उक्त तटबंध स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मरम्मत कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों से वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग की टीम के त्वरित एवं प्रभावी कार्यों की सराहना की। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि बाढ़ की अवधि समाप्त होने तक पूरी मुस्तैदी एवं सतर्कता बनाए रखें।

नीतीश कुमार से मिले डॉ. एलबी सिंह, जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

पटना, संवाददाता। पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार से जन स्वास्थ्य कल्याण समिति के सचिव डॉ. एलबी सिंह ने खास मुलाकात की। इस दौरान गरीब, वंचित, पिछड़े एवं जरूरतमंद लोगों से जुड़े जनहित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान डॉ. सिंह ने आम लोगों की समस्याओं, गरीब एवं पिछड़े वर्ग के उत्थान तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने से जुड़े विषयों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने जनहित के कार्यों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। डॉ. सिंह ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहायता और आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों से उनका प्रयास लगातार गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना रहा है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।

चार सूत्री मांगों को लेकर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

सुपौल, संवाददाता। जनहित से जुड़ी चार सूत्री मांगों को लेकर युवा कांग्रेस के बिहार प्रदेश सचिव लक्ष्मण कुमार झा के नेतृत्व में सुपौल समाहरणालय स्थित कलेक्ट्रेट गेट के सामने एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने राज्य सरकार एवं सरकारी तंत्र में बैठे अधिकारियों-पदाधिकारियों से मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने की अपील की। लक्ष्मण कुमार झा ने कहा कि यदि सरकार समय रहते इन मांगों पर कार्रवाई नहीं करती है तो आने वाले दिनों में इससे भी बड़ा और ऐतिहासिक जन आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी हो या मुकदमा दर्ज किया जाए, लेकिन जनता की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाले किसी भी बड़े आंदोलन की जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं संबंधित अधिकारी-पदाधिकारियों की होगी।

भूमिहीनों को जल्द मिले जमीन का पर्चा: उन्होंने सुपौल सदर प्रखंड की एकमा पंचायत सहित जिले की सभी पंचायतों में भूमिहीन एवं बेघर परिवारों को जल्द सरकारी जमीन का पर्चा उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त के अवसर पर कुछ भूमिहीन परिवारों को जमीन का पर्चा उपलब्ध कराया गया, लेकिन कई पात्र एवं जरूरतमंद परिवार अभी भी अपने अधिकार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा वास्तव में भूमिहीन एवं बेघर परिवारों को बिना किसी भेदभाव के शीघ्र जमीन का पर्चा देने की मांग की। लक्ष्मण झा ने राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को रोजगार के लिए घोषित 2 लाख तक की सहायता राशि का भुगतान जल्द शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार की घोषणा को केवल घोषणा तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि पात्र महिलाओं को इसका लाभ वास्तविक रूप से मिलना चाहिए। उन्होंने बढ़ती महंगाई को देखते हुए वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन की राशि बढ़ाकर ?3,000 से ?4,000 प्रतिमाह करने की मांग की। उनका कहना था कि इससे बुजुर्गों, विधवा महिलाओं एवं दिव्यांगजनों को आर्थिक सहारा मिलेगा और वे सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे। प्रदर्शन के दौरान सदर प्रखंड की बरूआरी, परसरमा-परसौनी, गोठ बरूआरी, बलहा, बेरो एवं एकमा पंचायत सहित विभिन्न क्षेत्रों की जर्जर सड़कों का मुद्दा भी उठाया गया।

उन्होंने बताया कि इन समस्याओं को लेकर पूर्व में भी जिला पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की जा चुकी है। युवा कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी चारों मांगें किसी व्यक्तिगत स्वार्थ से जुड़ी नहीं हैं, बल्कि भूमिहीन परिवारों, महिलाओं, बुजुर्गों, विधवा एवं दिव्यांगजनों तथा ग्रामीण क्षेत्र की आम जनता के हित से संबंधित हैं।

हर निराश मन को चाहिए एक भरोसेमंद कंधा

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितंबर को दुनियाभर में आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

आत्महत्या रोकथाम दिवस 2026 की थीम है आत्महत्या पर दृष्टिकोण बदलना। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि वर्ष 2024 में देश में 170746 आत्महत्या दर्ज की गई जबकि 2023 में कुल 171418 लोगों ने आत्महत्या की थी। वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या करने वालों की यह संख्या 170924 जबकि 2021 में 164033 थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक मानसिक तनाव, निराशा, अकेलेपन, असफलता, पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट या किसी गहरे भावनात्मक आघात से जूझता है तो उसकी सोचने-समझने और परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में अवसाद, निराशा और असहायता की भावना धीरे-धीरे इतनी गहरी हो सकती है कि व्यक्ति को अपने सामने मौजूद समस्याओं से बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं देता। यही वह संवेदनशील अवस्था है, जिसमें कुछ लोग आत्महत्या के विचारों से घिर सकते हैं। आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की असामयिक मृत्यु नहीं होती बल्कि उसके परिवार, मित्रों और व्यापक सामाजिक परिवेश पर भी लंबे समय तक गहरा भावनात्मक प्रभाव छोड़ती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि आत्महत्या को केवल अवसाद का परिणाम मानना उचित नहीं है। अवसाद आत्महत्या के जोखिम को बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण कारक जरूर है लेकिन आत्महत्या का व्यवहार प्रायः अनेक परिस्थितियों के जटिल मेल से उत्पन्न होता है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के साथ-साथ आर्थिक कठिनाइयां, संबंधों में टूटन, पारिवारिक तनाव, सामाजिक अलगाव, हिंसा, नशे की समस्या, गंभीर बीमारी, शैक्षणिक अथवा रोजगार संबंधी दबाव और अचानक घटित कोई गहरा संकट भी व्यक्ति को मानसिक रूप से तोड़ सकता है। कई बार बाहरी तौर पर सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भी भीतर से गहरे संघर्ष से गुजर रहा होता है। इसलिए आत्महत्या की रोकथाम का पहला कदम व्यक्ति को कमजोर या असफल समझना नहीं बल्कि उसकी पीड़ा को गंभीरता से समझना है। संकट में घिरे व्यक्ति को उपदेश से अधिक सुनने वाला कान, निर्णय सुनाने के बजाय सहानुभूति और अकेला छोड़ने के बजाय भरोसेमंद साथ चाहिए। परिवार, मित्र, शिक्षक और सहकर्मी यदि व्यवहार में आए अचानक बदलाव, निराशा, सामाजिक दूरी या असहायता के संकेतों को समय रहते पहचानें और व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करें तो संकट को गंभीर रूप लेने से रोका जा सकता है। आत्महत्या रोकथाम का वास्तविक अर्थ यही है, मौत के विचार से पहले उम्मीद का रास्ता दिखाई देना।

मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हेल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसिलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थी की दुविधा

अभिषेक शुक्ल

विगत कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। जब भी किसी बड़ी भर्ती का विज्ञापन आता है, तो एक बुनियादी सवाल लगातार चर्चा के केंद्र में रहता है—"भाई, ईडब्ल्यूएस से फॉर्म भरें या अनारक्षित से?ह्व यह सवाल जितना सहज प्रतीत होता है, वास्तव में उतना ही गंभीर है। यह केवल आवेदन-पत्र के किसी एक विकल्प को चुनने का मामला नहीं है, बल्कि एक युवा के भविष्य, उसकी वर्षों की तपस्या और संवैधानिक व्यवस्था पर उसके भरोसे से जुड़ा प्रश्न है। अभ्यर्थी यह जानना चाहता है कि यदि वह अनारक्षित श्रेणी के कटऑफ से अधिक अंक अर्जित करता है, तो क्या व्यवस्था उसकी योग्यता का सम्मान करते हुए उसे खुली प्रतियोगिता का हक देगी?

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा के आधिकारिक आंकड़े इस दुविधा को किसी काल्पनिक आशंका के बजाय एक कड़वी जमीनी सच्चाई साबित करते हैं। वर्ष 2020 से 2023 तक के आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह विसंगति निरंतर गहरी होती दिखाई देती है। वर्ष 2020 में जहां अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 110 अंक था, वहीं ईडब्ल्यूएस का कटऑफ 112 अंक रहा। वर्ष 2021 में अनारक्षित के 115 अंकों के मुकाबले ईडब्ल्यूएस का कटऑफ 117 अंक, और 2022 में अनारक्षित के 111 अंकों की तुलना में ईडब्ल्यूएस का कटऑफ 114 अंक दर्ज किया गया। वर्ष 2023 में तो यह अंतर चार अंकों तक पहुंच गया, जहां अनारक्षित का कटऑफ 125 अंक था, जबकि ईडब्ल्यूएस के लिए यह 129 अंक तक चला गया।

इन आंकड़ों का सीधा और त्रासद अर्थ यह है कि वर्ष 2023 में 126, 127 या 128 अंक हासिल करने वाला ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थी प्रारंभिक चरण में ही प्रतियोगिता से बाहर हो गया, जबकि उससे कम यानी 125 अंक पाने वाला अनारक्षित अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा लिखने का पात्र बन गया।

यहां अनारक्षित और आरक्षित की बुनियादी संवैधानिक अवधारणा को समझना आवश्यक है। आरक्षण का उद्देश्य अवसरों से वंचित वर्गों को आगे बढ़ने का मंच देना है, न कि किसी मेधावी की योग्यता की अधिकतम सीमा तय करना। अनारक्षित श्रेणी कोई अलग सामाजिक वर्ग या जाति नहीं है, बल्कि यह एक खुली प्रतियोगिता है जहाँ मेरिट में आने वाला कोई भी योग्य अभ्यर्थी स्थान पाने का हकदार है।

इस विधिक सिद्धांत को न्यायिक व्यवस्था ने समय-समय पर स्पष्ट और सुदृढ़ किया है। रजत यादव बनाम राजस्थान राज्य (उच्च न्यायालय) मामले में शीर्ष अदालत ने यह सिद्धांत दोहराया कि यदि किसी आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी, जिसने कोई विशेष रियायत नहीं ली है, सामान्य वर्ग के कटऑफ से अधिक अंक प्राप्त करता है, तो उसे चयन के मध्यवर्ती व प्रारंभिक चरणों में भी खुली श्रेणी की मेरिट सूची में स्थान मिलना चाहिए। उसे केवल उसकी श्रेणी के नाम पर खुली प्रतिस्पर्धा से अलग-थलग नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया बनाम शाम कृष्णा बी में भी उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि आरक्षण रोस्टर और नियमों का मनमाना क्रियान्वयन मेधा को नकारने का माध्यम नहीं बन सकता; मेरिट में ऊपर रहने वाला आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी में समायोजित होने का पूर्ण संवैधानिक अधिकार रखता है।

यह विसंगति पीसीएस जैसी बहु-चरणीय परीक्षाओं के प्रारंभिक स्तर पर सबसे घातक साबित होती है। यद्यपि प्रारंभिक परीक्षा के अंक अंतिम चयन सूची में नहीं जुड़ते, किंतु यह मुख्य परीक्षा तक पहुँचने का निर्णायक प्रवेश-द्वार है। यदि किसी अभ्यर्थी ने आयु सीमा या शुल्क जैसी कोई रियायत नहीं ली है और उसके अंक खुली श्रेणी के कटऑफ से अधिक हैं, तो उसे प्रारंभिक स्तर पर ही खुली प्रतियोगिता से बाहर कर देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 में निहित नैसर्गिक न्याय और समान अवसर के सिद्धांत के विपरीत है। अंतिम चरण में समायोजन का प्रावधान ऐसे मेधावी अभ्यर्थियों के लिए व्यर्थ सिद्ध होता है, क्योंकि वे मुख्य परीक्षा की दौड़ से ही बाहर कर दिए जाते हैं।

यह विवाद केवल ईडब्ल्यूएस तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर आरक्षण के सभी वर्गों को प्रभावित करता है (जैसा कि वर्ष 2023 में ओबीसी वर्ग के 128 कटऑफ के साथ भी देखा गया)। यदि खुली सीटों पर केवल उन्हीं को प्रारंभिक प्रवेश मिलेगा जिन्होंने कोई आरक्षण क्लेम नहीं किया, तो ह्यअनारक्षितह्ण सीटें वस्तुतः ह्यबिना आरक्षण वाले वर्गह्ण के लिए आरक्षित हो जाएंगी, जिससे खुली प्रतियोगिता की मूल आत्मा ही नष्ट हो जाएगी।

ईडब्ल्यूएस श्रेणी की पात्रता आर्थिक स्थिति से तय होती है, किंतु परीक्षा हॉल में उत्तर-पुस्तिका का मूल्यांकन अभ्यर्थी की आर्थिक पृष्ठभूमि देखकर नहीं, बल्कि उसके ज्ञान और प्रदर्शन के आधार पर होता है। कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि किसी मेधावी छात्र के बेहतर प्रदर्शन की सीमा नहीं बननी चाहिए। जैसा कि न्यायशास्त्र का स्थापित नियम है—आरक्षण एक सुरक्षा-कवच है, प्रतिभा की छत नहीं।

प्रतियोगी परीक्षाओं में व्यवस्था का सिद्धांत पारदर्शी और न्यायसंगत होना चाहिए—आरक्षण कमजोर को सहारा देने के लिए है, मेधावी के अवसर छीनने के लिए नहीं। ईडब्ल्यूएस होना किसी अभ्यर्थी की प्रतिभा का दायरा सीमित नहीं करता; यदि उसमें क्षमता है, तो खुली प्रतियोगिता का द्वार उसके लिए भी उतना ही खुला होना चाहिए जितना किसी अनारक्षित प्रतियोगी के लिए।

कुटीर उद्योग बना अवैध शराब का धंधा

प्रमोद भार्गव

मध्य प्रदेश में अवैध शराब के निर्माण ने कुटीर उद्योग का रूप ले लिया है। इस शराब का निर्माण बड़े पैमाने पर सीधे-सीधे आसवनी भट्टियों में हो रहा है। यह शराब ड्रमों में लाकर रसायानों से बनाई जा रही है। सागर जिले के बंडा तहसील के ग्राम ततरबारा में अवैध शराब निर्माण की जो फैक्ट्री बताई जा रही है, उसमें बाकायदा अलग-अलग ब्रांड की शराब तैयार करके बोतलों में पैकिंग की जाती थी। यानी शराब निर्माण के सभी उपकरण इस फैक्ट्री में मौजूद थे। इस निर्माण से जुड़े नेटवर्क के तार मुरैना से भी जुड़े बताए जा रहे है। आमतौर से देशी तरीके से बनाई जा रही शराब भी जहरीली शराब में तब बदल जाती है, जब उसमें घटिया सामग्री का असंतुलित घालमेल बैठा दिया जाता है। ऐसा ज्यादा कमाई के चक्कर में किया जाता है, जो दीन-हीनों की मौत का कारण बन जाती है। एक समय जब देशी शराब महुआ, गुड़ और अनाजों से प्राकृतिक तरीके से बनाई जाती थी, तब यह खास घातक नहीं होती थी, किंतु जब से इस शराब का निर्माण रसायनों से होने लगा है, तब से मध्य प्रदेश में ही नहीं देशभर में इस शराब के पीने से निरंतर मौतों की घटनाएं सामने आ रही हैं। धार्मिक नगरियों वाला मध्य प्रदेश ऐसी शराब का गढ़ बन गया है। मध्य प्रदेश की गलत आबकारी नीति भी इस शराब के निर्माण को बढ़ावा देने का काम कर रही है।

शराब के लगातार कहर ढहाने के बाद भी नीति-नियंता इसलिए बेफिक्र रहते हैं, क्योंकि एक तो ऐसी शराब पीने से गरीब और वंचित लोगों की मौतें होती हैं, दूसरे, अब देशी-विदेशी शराब ठेकों में अला राजनेता, आबकारी एवं पुलिस विभाग के नौकरशाह भागीदार हो गए है। इस जहरीली शराब कांड में जिन 30 शराब विक्रेताओं को आरोपी बनाया गया है, उनमें सत्तारूढ़ दल से जुड़े दो सरपंच और एक शराब ठेकेदार शामिल हैं। कुछ आरोपितों को सीधे-सीधे एक पूर्व मंत्री से जुड़ा बताया जा रहा है। साफ है, प्रदेशभर में शराब निर्माण और विक्रय की ठेकेदारी ऐसे लोगों के हाथ में है, जो बाहुबली होने के साथ ऊंची पहुंच रखने वाले है। इसलिए जो भी कार्यवाही होगी वह तत्काल तो मीडिया में असरकारी दिखेगी लेकिन फिर दर्ज एफआईआर शून्य में बदलती चली जाएंगी।

प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने तीन साल पहले शराबबंदी की मुहिम चलाई थी, लेकिन तब के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की चतुराई के चलते वह नक्कारखाने की तूती साबित हुई। शराब की दुकानें और शराब बिक्री के लिए जो नई आबकारी नीति सामने आई थी, उसमें उमा भारती की मुहिम और धमकी का कोई असर दिखाई नहीं दिया था। इस अबकारी नीति के सामने आने के समय से ही अनेक अनुत्तरित सवाल आज भी खड़े हुए हैं। नीति में स्पष्ट नहीं है कि जो शुष्क दिन है, मसलन गांधी जयंती, 15 अगस्त, 26 जनवरी, होली और चुनाव प्रक्रिया के दौरान घरों में शराब का बार खोलने की जो छूट चली आ रही है, वह यथावत जारी रहेगी या नहीं? होम-बार की आड़ में उज्जैन, ओरछा, ओमकारेश्वर जैसे पवित्र नगरों में भी शराबखोरी चलती रहेगी। हालांकि सरकार ने प्रत्यक्ष तौर पर कोई भी नई दुकान खोलने का निर्णय इस नीति में नहीं लिया है, परंतु पिछले दरवाजे से शराब बेचने की पगडंडियां खुली छोड़ दी गई है। देशी शराब की दुकान पर विदेशी और विदेशी शराब की दुकान पर देशी शराब बेची जाती रहेगी। फैसले से स्पष्ट होता है कि सरकार ने तकनीकी रूप से कानूनी झोल की सुविधा बरकरार रखकर यथासिथति बनाए रखी है।

नई आबकारी नीति से सबसे ज्यादा फजीहत उमा भारती की हुई थी। ओरछा की जिस शराब की दुकान पर भारती ने गोबर फेंककर आक्रोष प्रकट किया था, वहां से भी दुकान बदली नहीं गई। अंत में भारती ने राजनीतिक चतुराई बरतते हुए रामराजा मंदिर मार्ग पर खुली दुकान का सारा दोश प्रशासन पर मढ़कर अपनी मुहिम को विराम दे दिया था। यह दुकान पहले नगर में अंदर की तरफ डेढ़ किमी दूर थी, किंतु तब कमाई कम होती थी, ठेकेदार को लाभ दिलाने के लिए जिला आबकारी विभाग ने यह दुकान मंदिर के प्रवेष द्वार पर खुलवा दी। इस दुकान के खोले जाने का विरोध ओरछा के नागरिकों, विद्यार्थी परिशद्, बजरंग दल के नेताओं ने संयुक्त रूप से किया था। लेकिन बात नहीं बनी। प्रदेश सरकार इस दुकान के आगे नतमस्तक हो गई थी। इस पराजय के बाद से उमा भारती ने शराबबंदी की मुहिम से पूरी तरह तौबा कर आंखें मूंद लीं।

शराबबंदी को लेकर अक्सर यह प्रश्न खड़ा किया जाता है कि इससे होने वाले राजस्व की भरपाई कैसे होगी और शराब तस्करी को कैसे रोकेंगे? ये चुनौतियां अपनी जगह बाजिव हो सकती हैं लेकिन शराब के दुष्प्रभावों पर जो अध्ययन किए गए हैं, उनसे पता चलता है कि उससे कहीं ज्यादा खर्च, इससे उपजने वाली बीमारियों और नशा-मुक्ति अभियानों पर हो जाता है। इसके अलावा पारिवारिक और सामाजिक समस्याएं भी नए-नए रूपों में सुरसामुख बनी रहती हैं। घरेलू हिंसा से लेकर कई अपराधों और जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं की वजह भी शराब बनती है। यही कारण है कि शराब के विरुद्ध खासकर ग्रामीण परिवेश की महिलाएं मुखर आंदोलन चलातीं, समाचार माध्यमों में दिखाई देती हैं। इसलिए महात्मा गांधी ने शराब के सेवन को एक बड़ी सामाजिक बुराई माना था। उन्होंने स्वतंत्र भारत में संपूर्ण शराबबंदी लागू करने की पैरवी की थी। ह्ययंग इंडियाह्ण में गांधी ने लिखा था, ह्यअगर मैं केवल एक घंटे के लिए भारत का सर्वशक्तिमान शासक बन जाऊं तो पहला काम यह करूंगा कि शराब की सभी दुकानें, बिना कोई मुआवजा दिए तुरंत बंद करा दूंगा।ह्ण बावजूद गांधी के इस देश में सभी राजनीतिक दल चुनाव में शराब बांटकर मतदाता को लुभाने का काम करते हैं। वर्तमान में तो पूरे प्रदेश में शराब के साथ-साथ स्मैक, चरस की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है।

सर्वोच्च न्यायालय ने शराब पर अंकुश लगाने की दृष्टि से राष्ट्रीय राजमार्गों पर शराब की दुकानें खोलने पर रोक लगा दी थी। किंतु सभी दलों के राजनीतिक नेतृत्व ने चतुराई बरतते हुए नगर और महानगरों से जो नए बाइपास बने हैं, उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की अधिसूचना जारी कर दी और पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों का इस श्रेणी से विलोपीकरण कर दिया। मध्य प्रदेश में भी यही किया गया। साफ है, शराब की नीतियां शराब कारोबारियों के हित दृष्टिगत रखते हुए बनाई जा रही हैं। यह हित इसलिए साधे जा रहे हैं क्योंकि ठेकेदारों के साथ राजनेता और अधिकारी भी इस गठबंधन के हिस्सेदार हो गए हैं। यदि ये शामिल नहीं है तो साफ है शराब माफिया सरकार पर भारी हैं। अतएव जहरीली शराब का यह गोरखधंधा भविष्य में भी रुकने वाला नहीं है। सवाल है कि उमा भारती शराबबंदी के लिए सड़क पर उतरेंगी, ऐसा लगता तो नहीं है।

दुबई से मप्र के युवाओं के लिए रोजगार की नई राह खोलने की तैयारी

डॉ. मयंक चतुवेर्दी

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को निवेश, रोजगार और निर्यात के नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा उस व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में देखना चाहिए, जिसमें प्रदेश को देश के भीतर निवेश के विकल्प के साथ-साथ वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक आकर्षक गंतव्य बनाने का प्रयास दिखाई देता है। एआईएम कांग्रेस-2026 में मुख्यमंत्री की भागीदारी का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि मध्यप्रदेश अब निवेश के लिए इंतजार करने के बजाय निवेशकों तक स्वयं पहुंच रहा है। दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित ह्यएनुअल इन्वेस्टमेंट मीटिंगह्ण जैसे वैश्विक मंच पर 180 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, निवेशकों, कंपनियों और सोवरिन वेल्थ फंड्स के बीच मध्यप्रदेश की उपस्थिति राज्य की बदलती आर्थिक आकांक्षाओं को सामने रखती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को भोपाल में होने वाली "ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027" के लिए आमंत्रित कर साफ संकेत दिया है कि मध्यप्रदेश वैश्विक पूंजी को अपने औद्योगिक और रोजगार ढांचे से जोड़ने के लिए तैयार है।

इस पहल का सबसे बड़ा लाभ मध्यप्रदेश के युवाओं को मिल सकता है। किसी भी बड़े निवेश का वास्तविक अर्थ तब बनता है, जब उससे कारखाने लगें, सेवाओं का विस्तार हो, नए उद्यम खड़े हों और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार पैदा हों। नवकरणीय ऊर्जा, फार्मास्युटिकल्स, मेडिकल डिवाइस, वस्त्र, लॉजिस्टिक्स, उन्नत विनिर्माण और शहरी अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं सीधे तौर पर रोजगार के नए अवसरों से जुड़ी हैं। यही वह क्षेत्र है जहां निवेश को "युवा शक्ति और आर्थिक विकास के बीच सेतु" बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री की पहल का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष मध्यप्रदेश की स्थानीय पहचान को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। दुबई में ओडीओपी और जीआई उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बैतूल का बेल मेटल क्राफ्ट, अशोकनगर की चंदेरी साड़ी, महेश्वर की महेश्वरी साड़ी, उज्जैन का बाटिक प्रिंट, भोपाल की जरी-जरदोजी और ग्वालियर का कारपेट, वस्तुतः ये सिर्फ पारंपरिक उत्पाद के पीछे हजारों कारीगरों की मेहनत, स्थानीय कौशल और पीढ़ियों से चली आ रही आर्थिक परंपरा है।

यदि इन उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदार और स्थायी बाजार मिलते हैं, तो इसका प्रभाव गांव और छोटे शहरों तक पहुंचेगा। वैश्विक बाजार से जुड़ाव का अर्थ कारीगर की आय में वृद्धि, स्थानीय उत्पादन का विस्तार और युवाओं के लिए अपने ही क्षेत्र में रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर पैदा होना है।

मुख्यमंत्री की अरब संसद के अध्यक्ष मोहम्मद अहमद अल यामाही से मुलाकात भी इसी व्यापक आर्थिक कूटनीति का हिस्सा है। कृषि, व्यापार, निवेश, पर्यटन और शिक्षा में सहयोग की संभावनाओं पर बातचीत मध्यप्रदेश को पश्चिम एशिया के साथ नए आर्थिक संबंधों की दिशा में आगे ले जा सकती है। नवकरणीय ऊर्जा और फार्मास्यूटिकल्स से लेकर लॉजिस्टिक्स और उन्नत विनिर्माण तक, मध्यप्रदेश के पास ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें वैश्विक निवेश को आकर्षित करने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। सबसे महत्वपूर्ण अवसर कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। दुबई और व्यापक यूएई बाजार खाद्य आयात पर काफी निर्भर है। ऐसे में मध्यप्रदेश की कृषि क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मांग से जोड़ना राज्य के किसानों के लिए बड़ा अवसर बन सकता है। दाल, गेहूं, मक्का और सोयाबीन जैसे उत्पादों में मध्यप्रदेश की मजबूत स्थिति पहले से मौजूद है। यदि इस उत्पादन क्षमता के साथ ग्रेडिंग, पैकेजिंग, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स और फूड प्रोसेसिंग का आधुनिक ढांचा जुड़ता है, तो किसान वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है।यहीं डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा का किसान और युवा इन दोनों से संबंध स्थापित होता है। कृषि निर्यात बढ़ेगा तो प्रसंस्करण उद्योग बढ़ेंगे; प्रसंस्करण उद्योग बढ़ेंगे तो लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, भंडारण और गुणवत्ता परीक्षण जैसी सेवाओं का विस्तार होगा।

ऐसे में इन क्षेत्रों में रोजगार पैदा होगा तो प्रदेश के युवाओं के लिए अवसरों का दायरा भी बढ़ेगा।लूलू ग्रुप के यूसुफ अली एम.ए. जैसे बड़े कारोबारी समूहों के साथ संवाद को इसी संदर्भ में देखना चाहिए। दूसरी ओर डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा को सिर्फ निवेशकों को आमंत्रित करने वाली यात्रा मानना इसकी व्यापक आर्थिक तस्वीर को छोटा कर देगा। वस्तुतः इसके पीछे मध्यप्रदेश को उत्पादन, निवेश, निर्यात और रोजगार का वैश्विक केंद्र बनाने की कोशिश दिखाई देती है।

भोपाल में 2025 की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सामने आया विशाल निवेश प्रस्ताव हो, ग्वालियर का टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन हो, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी में आ रहा निवेश हो या मध्यप्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की कोशिश, वस्तुतः इन सभी को एक ही आर्थिक रणनीति की कड़ियों के रूप में देखा जा सकता है।कुल मिलाकर डॉ. मोहन यादव सरकार का यह प्रयास स्थानीय उत्पादन, किसान की आय और युवा रोजगार के एक साझा मॉडल से जोड़ने की कोशिश कर रहा है।,दुबई में मध्यप्रदेश की आवाज पहुंचना अपने आप में उपलब्धि है।

विकास वार्ता (दैनिक) ई-पेपर प्रकाशक एवं संपादक : राजकिशोर सिंह, विकास विद्यालय शिक्षकनगर डुमरी बेगूसराय बिहार 85117, मुद्रक: सोमेश कुमार चौधरी, दामोदरपुर पासोपुर बेगूसराय बिहार - 851112, मुद्रणालय - जागो गांव, जागो प्राइवेट आईटीआई, दामादरपुर बेगूसराय-851112, RNI NO-BHHin/5/A044

कांके की 2.98 एकड़ जमीन मूल रैयतों को लौटाने की याचिका खारिज, हाई कोर्ट ने कहा- अधिग्रहण वैध था

रांची, एजेंसी। झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची के कांके अंचल स्थित नगड़ी गांव की 2.98 एकड़ अधिग्रहित जमीन को अधिग्रहण से मुक्त कर मूल रैयतों को वापस करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने स्पष्ट किया कि संबंधित जमीन का वर्ष 1957-58 में विधि सम्मत तरीके से अधिग्रहण किया गया था। अधिग्रहण की प्रक्रिया के बाद अवॉर्ड पारित किया गया और मुआवजे का भुगतान भी किया जा चुका है। ऐसी स्थिति में केवल इस आधार पर कि बाद में जमीन का उपयोग किसी दूसरे सार्वजनिक उद्देश्य के लिए किया गया, उसे मूल रैयतों को वापस नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी पाया कि याचिकाकर्ता खुद को मूल अवार्डियों का वैध कानूनी उत्तराधिकारी साबित करने के लिए पर्याप्त दस्तावेज और वंशावली प्रस्तुत नहीं कर सके। इस आधार पर भी अदालत ने माना कि याचिकाकताओं के मामले में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं बनता। याचिकाकताओं ने नगड़ी गांव के प्लॉट संख्या 2055, 2124, 2068, 2281 और 2882 की कुल 2.98 एकड़ जमीन को अधिग्रहण से मुक्त करने की मांग की थी। उनका दावा था कि उक्त जमीन उनके पूर्वजों के नाम रिकॉर्ड ऑफ राइट्स में दर्ज थी और वे लंबे समय से उस पर कब्जे में हैं। याचिकाकताओं के अनुसार, उनके पक्ष में नियमित रूप से राजस्व रसीद भी जारी होती रही है। याचिका में कहा गया था कि बिरसा कृषि कॉलेज, कांके के लिए नगड़ी गांव की करीब 202.07 एकड़ जमीन के अधिग्रहण को लेकर भूमि अधिग्रहण वाद संख्या 21/1957-58 शुरू किया गया था। याचिकाकताओं ने 19 दिसंबर 1968 के भूमि अधिग्रहण अधिकारी, रांची के आदेश और 31 जनवरी 1970 को छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त की ओर से जमीन को मुक्त करने की अनुशंसा का हवाला दिया था।

याचिकाकताओं का तर्क था कि अधिग्रहित जमीन का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के लिए नहीं किया गया। इसलिए जमीन को अधिग्रहण से मुक्त कर मूल रैयतों अथवा उनके उत्तराधिकारियों को वापस किया जाना चाहिए। वहीं, राज्य सरकार ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मामला करीब 66 वर्ष की देरी के बाद अदालत में लाया गया है। सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में असफल रहे हैं कि वे मूल अवार्डी के वैध कानूनी उत्तराधिकारी हैं। राज्य सरकार के अनुसार, भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया कानून के तहत पूरी की गई थी, अवॉर्ड पारित हुआ था और संबंधित मुआवजे का भुगतान भी किया जा चुका था।

सुनवाई के दौरान बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से अदालत को बताया गया कि अधिग्रहित जमीन के कुछ हिस्से का इस्तेमाल अब अन्य सार्वजनिक संस्थानों और परियोजनाओं के लिए किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के अनुसार, जमीन का एक हिस्सा नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल), रांची को दिया जा चुका है, जबकि कुछ जमीन का उपयोग रांची रिंग रोड के निर्माण में हुआ है। विश्वविद्यालय ने दूसरे सार्वजनिक उद्देश्य के लिए जमीन के इस्तेमाल को लेकर अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) भी दिया था। एनयूएसआरएल की ओर से भी अदालत को बताया गया कि संबंधित अधिग्रहित जमीन के कुछ हिस्से का इस्तेमाल विश्वविद्यालय के भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों में किया जा चुका है। यह जमीन पूर्व में डिवीजन बेंच के समक्ष हुई न्यायिक कार्यवाही का भी हिस्सा रही है। उच्च न्यायालय ने मामले के रिकॉर्ड और दोनों पक्षों की दलीलों का अवलोकन करने के बाद कहा कि संबंधित जमीन भूमि अधिग्रहण वाद संख्या 21/1957-58 के तहत अधिग्रहित की गई थी।

एक नजर

जमशेदपुर महिला विवि के दीक्षांत समारोह में 1990 छात्राओं को मिली डिग्री

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय का चौथा दीक्षांत समारोह मंगलवार को बिष्टुपुर स्थित एक्सएलआरआई सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 54 मेधावी छात्राओं को स्वर्ण पदक, चांसलर मेडल और अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

दीक्षांत समारोह में कुल 1990 छात्राओं को डिग्री और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों की छात्राओं ने अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मान हासिल किया। अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओं को रेखा झा मेमोरियल मेडल भी प्रदान किया गया। यह पहला अवसर रहा, जब एक ही दीक्षांत समारोह में चार शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी गई।

इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने डिग्री और पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके जीवन के नए अध्याय की शुरूआत है। उन्होंने छात्राओं से अपनी शिक्षा, प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग समाज तथा देश के विकास में करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि जीवन की सफलता केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि नैतिक मूल्यों, सकारात्मक सोच और जिम्मेदारी की भावना से व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाता है। उन्होंने कहा कि देश में बेटियां आज शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन और अन्य क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। झारखंड की बेटियों में शिक्षा और प्रतिभा की असीम क्षमता है और जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय इस क्षमता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

समारोह में जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो इला कुमार, सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला के निदेशक डॉ संदीप घोष चौधरी, विश्वविद्यालय के शिक्षक, पदाधिकारी, छात्राएं और उनके परिजन मौजूद थे। स्वर्ण पदक और डिग्री प्राप्त करने वाली छात्राओं के बीच समारोह को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। परिजनों ने भी छात्राओं की उपलब्धि पर खुशी जताई।

दुर्गापुर के होटल में चल रहा था साइबर ठगी का अड्डा, चार गिरफ्तार

पश्चिम बर्दवान, एजेंसी। दुगार्पुर पुलिस ने साइबर ठगी के अंतरराज्यीय नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्टेशन बाजार से सटे साधुडांगा इलाके के एक होटल में छापेमारी कर चार युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान झारखंड के देवघर जिले के मधुपुर निवासी गणेश सरदार, सचिन दास, जितेंद्र कुमार दास और सुरेंद्र दास के रूप में हुई है। पुलिस ने होटल के कमरे से कई लैपटॉप, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और विभिन्न महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। सभी सामान को जब्त कर तकनीकी जांच के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि गिरफ्तार युवकों के तार झारखंड के मधुपुर और चर्चित जामताड़ा साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपित होटल के कमरे को अस्थायी ठिकाने और कथित तौर पर साइबर ठगी के संचालन केंद्र के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। आरोप है कि मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए लोगों से संपर्क कर उन्हें विभिन्न प्रकार के झांसे में लिया जाता था और उनसे बैंकिंग एवं अन्य व्यक्तिगत जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जाता था।

औद्योगिक इकाइयों के विस्तार से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : राज्यपाल

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र, जमशेदपुर स्थित सीटीसी प्रेज़िशन टूल्स प्राइवेट लिमिटेड का दौरा कर कंपनी की कार्यप्रणाली, उत्पादन व्यवस्था और तकनीकी गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने आधुनिक तकनीक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के क्षेत्र में कंपनी के प्रयासों की जानकारी ली।

इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि झारखंड में इस प्रकार की आधुनिक औद्योगिक इकाई का होना प्रसन्नता का विषय है। राज्य में औद्योगिक विकास की असीम संभावनाएं हैं और आधुनिक तकनीक तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को बढ़ावा देने वाली औद्योगिक इकाइयां राज्य की औद्योगिक क्षमता को और मजबूत करती हैं।

उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। राज्य में औद्योगिक इकाइयों के विस्तार से युवाओं के लिए रोजगार के साथ-साथ कौशल विकास के नए अवसर भी सृजित होंगे। उद्योगों और स्थानीय युवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर इस दिशा में और प्रभावी परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि स्थानीय स्तर पर युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने से राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने उद्योग जगत से स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर देने और कौशल विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में निरंतर प्रयास करने की अपेक्षा व्यक्त की।

राज्यपाल ने सीटीसी प्रेज़िशन टूल्स के प्रबंधन एवं पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि यह औद्योगिक इकाई भविष्य में भी तकनीक, गुणवत्ता और रोजगार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास झारखंड को औद्योगिक रूप से और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आजादी के बाद से पक्की सड़क को तरस रहा तुरी टोला, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद शहर से सटे बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के बड़ा जमुआ तुरी टोला के ग्रामीण आज भी पक्की सड़क की राह देख रहे हैं। आजादी के बाद से गांव में पक्की सड़क नहीं बनने से नाराज ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में धनबाद समाहरणालय पहुंचकर प्रदर्शन किया।

महिलाओं और बच्चों के साथ पहुंचे ग्रामीणों ने उपायुक्त कार्यालय के गेट के सामने सड़क निर्माण की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि कई पीढ़ियां स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर मुख्यमंत्री तक सड़क निर्माण की गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने मांग पूरी नहीं होने पर आमरण अनशन की चेतावनी भी दी है।

ग्रामीणों के मुताबिक, बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के बड़ा जमुआ तुरी टोला में आजादी के बाद से अब तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ है। गांव की कच्ची सड़क ही लोगों के आवागमन का एकमात्र सहारा है। सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों की कई पीढ़ियां स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर सरकार के बड़े अधिकारियों तक गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन उनकी समस्या जस की तस बनी हुई है।

मौके पर भारती देवी ने कहा कि सामान्य दिनों में तो किसी तरह आवागमन हो जाता है, लेकिन बारिश के मौसम में कच्ची सड़क की हालत बेहद खराब हो जाती है। कीचड़ और जलजमाव के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी बीमार लोगों और स्कूली बच्चों को होती है। सड़क खराब होने के कारण मरीजों को अस्पताल ले जाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, वहीं छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने में भी परेशानी होती है।

प्रदर्शन में शामिल ग्रामीण सुरेंद्र तुरी का कहना है कि वर्षों से आश्वासन मिलने के बावजूद सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। अब ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि अगर इस बार उनकी मांग पर गंभीरता से पहल नहीं हुई तो वे उपायुक्त कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन करने को विवश होंगे।

खड़गपुर मंडल ने दो ट्रैक मेंटेनरों को सम्मानित किया

खड़गपुर, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल में सतर्कता, सूझबूझ और कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश करते हुए एक संभावित रेल दुर्घटना को टालने वाले दो ट्रैक मेंटेनरों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ इंजीनियर (पी.वे./खड़गपुर) के अधीन कार्यरत ट्रैक मेंटेनर-III संजीत कुमार घोष और मदन मोहन दास को खड़गपुर के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ललित मोहन पांडेय ने नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रेल प्रशासन के अनुसार, 24 अगस्त देर रात दोनों ट्रैक मेंटेनर अपनी निर्धारित मानसून रात्रि गश्त ड्यूटी पर थे। रात करीब 1:40 बजे (25 अगस्त) गोकुलपुर-मेदिनीपुर ब्लॉक खंड की ऊपर मुख्य लाइन पर स्थित प्वाइंट संख्या 37/ए (किमी 122/1ए-2ए) के पास उन्हें रेल पटरी में गंभीर खराबी और दरार दिखाई दी।

बाल विवाह रोकने के लिए पंचायत, समुदाय और प्रशासन के बीच समन्वय जरूरी

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। बिष्टुपुर स्थित होटल बुलेवार्ड में सामाजिक संस्था युवा (यूथ फॉर यूनिटी एंड वॉलंटरी एक्शन) की ओर से बाल विवाह की रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। बाल विवाह रोकथाम में पंचायत, समुदाय एवं जिला हितधारकों की भूमिका, समन्वय एवं जवाबदेही विषय पर आयोजित कार्यशाला में बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने के लिए पंचायत, प्रशासन, पुलिस, विद्यालय, मीडिया और सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया।

कार्यशाला में साइबर थाना के अमित अभिषेक, वन स्टॉप सेंटर की नीतू कुमारी, वरिष्ठ पत्रकार अन्नी अमृता, विकास श्रीवास्तव, डालसा की प्रीति मुर्मू, महिला कल्याण समिति की सचिव अंजली बोस, युवा की सचिव वर्णाली चक्रवर्ती, अध्यक्ष ऊषा सबीना देवगम, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और किशोरी लीडर शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन अंजना देवगम ने किया। वर्णाली चक्रवर्ती ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा गंभीर सामाजिक मुद्दा है। इसकी रोकथाम के लिए परिवार, ग्राम सभा, पंचायत, प्रशासन और समुदाय को मिलकर निरंतर प्रयास करना होगा। अमित अभिषेक ने कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि बाल विवाह की सूचना समय रहते पुलिस और संबंधित विभागों तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता पर भी जोर दिया। नीतू कुमारी ने कहा कि बाल विवाह ग्रामीण क्षेत्रों के साथ शहरों में भी हो रहे हैं और लोगों को कानून व सहायता सेवाओं की जानकारी देने की आवश्यकता है। अन्नी अमृता ने मीडिया को जागरूकता और सामाजिक सोच में बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। विकास श्रीवास्तव ने प्रभावित परिवारों की काउंसलिंग और निरंतर सहयोग पर जोर दिया। अंजली बोस ने महिलाओं और लड़कियों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का संदेश दिया, जबकि ऊषा सबीना देवगम ने बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और उनकी इच्छा को प्राथमिकता देने की बात कही। कार्यशाला में ग्राम सभा, बाल सभा और महिला सभा के एजेंडे में बाल विवाह रोकथाम को नियमित रूप से शामिल करने का सुझाव दिया गया। आयोजन में चन्द्रकला, रीला, आबंती, चाँदमनी, किरण, कापरा, हेमंती और सिकन्दर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कोलकाता के 919 होटल और गेस्ट हाउस को अस्थायी तौर पर बंद करने का नोटिस

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में अनिवार्य अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले 919 होटल और गेस्ट हाउस को अस्थायी रूप से बंद करने के नोटिस जारी किए गए हैं। जानकारी के अनुसार राज्य अग्निशमन विभाग, कोलकाता नगर निगम और कोलकाता पुलिस की संयुक्त टीमों ने अब तक करीब 960 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया है। इनमें केवल 41 ही निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाए गए।

अधिकारियों के अनुसार, 19 अगस्त की तड़के मध्य कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित शिखा इन गेस्ट हाउस में लगी भीषण आग के बाद निरीक्षण अभियान तेज किया गया। इस घटना में सात बांग्लादेशी नागरिकों समेत नौ लोगों की मौत हुई थी। नोटिस पाने वाले होटल और गेस्ट हाउस संचालकों को निर्धारित मानकों के अनुरूप अग्नि सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी। इसके बाद उन्हें अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र के नवीनीकरण के लिए आवेदन करना होगा। प्रमाणपत्र मिलने के बाद ही वे दोबारा लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकेंगे और संचालन शुरू करने की अनुमति मिल सकेगी।

अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता में करीब 3,700 होटल और गेस्ट हाउस संचालित हो रहे हैं। संयुक्त टीम अब तक इनमें से करीब एक चौथाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर चुकी है। बाकी प्रतिष्ठानों में भी जांच जारी रहेगी। इसी बीच, पिछले सप्ताह राज्य अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग ने कैमक स्ट्रीट स्थित एक व्यावसायिक इमारत के तहखाने और छठी तथा सातवीं मंजिल को तत्काल खाली कराने का आदेश दिया था। इसी इमारत में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का कार्यालय भी है।

उत्तर बंगाल में बाढ़ का कहर, भूतनी में ढाई लाख लोग फंसे; तटबंध टूटने से हालात गंभीर

मालदा, एजेंसी। जिले के भूतनी इलाके में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर हो गई। रिंग तटबंध में बड़ी दरार के बाद गंगा का पानी द्वीप क्षेत्र में घुस गया, जिससे करीब ढाई लाख लोग बाढ़ के पानी में घिर गए हैं। आधी रात से ही हजारों लोग, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं, अपने सामान और मवेशियों के साथ घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों और तटबंध पर शरण लेने को मजबूर हैं।

बाढ़ का पानी निकालने के लिए प्रशासन ने मंगलवार को दक्षिण चांदपुर में तटबंध के एक हिस्से को काटने का फैसला किया है। पानी का स्तर लगातार बढ़ने और राहत एवं बचाव अभियान में आ रही मुश्किलों के बीच स्थानीय लोगों और राजनीतिक नेताओं की मांग के बाद यह निर्णय लिया गया।

भूतनी एक द्वीप क्षेत्र है, जिसकी सुरक्षा करीब 28 किलोमीटर लंबे रिंग तटबंध से होती है। यहां तीन ग्राम पंचायतें हैं। उत्तर चांदपुर में तटबंध का करीब एक किलोमीटर हिस्सा भारी कटाव के कारण बह गया, जिसके बाद गंगा का पानी तेजी से इलाके में प्रवेश कर गया।

प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती राहत और बचाव के लिए नौकाओं की कमी है। बचाव कार्य के लिए कुछ नौकाओं की व्यवस्था की गई है, जबकि करीब 50 और नौकाएं दूसरे इलाकों से मंगाई जा रही हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग खुद ही सुरक्षित स्थानों की ओर जाने को मजबूर हैं। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे माणिकचक घाट पर गंगा का जलस्तर 25.81 मीटर दर्ज किया गया, जो 25.30 मीटर के अत्यंत खतरे के निशान से करीब 51 सेंटीमीटर ऊपर है। सिंचाई विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटे में जलस्तर और बढ़ सकता है।

माणिकचक के विधायक गौर चंद्र मंडल ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को स्थिति की जानकारी दी है। उन्होंने एक भावुक संदेश में बाढ़ की स्थिति को रोक पाने में असमर्थता पर दुख जताया और कहा, मैं बहुत दुखी और क्षमाप्रार्थी हूं। मैं ऐसा नहीं कर सका।

कलकत्ता हाई कोर्ट के 45वें मुख्य न्यायाधीश बने रवींद्र विट्ठलराव घुगे

कोलकाता, एजेंसी। न्यायमूर्ति रवींद्र विठ्ठलराव घुगे ने बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के 45वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। हाई कोर्ट के एक नंबर कक्ष में सुबह करीब 10 बजे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्र बोस समेत राज्य सरकार और न्यायपालिका से जुड़े कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के वर्तमान और पूर्व न्यायाधीशों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। न्यायमूर्ति घुगे इससे पहले बंबई हाई कोर्ट में न्यायाधीश के तौर पर सेवाएं दे रहे थे। इसी वर्ष जून में उन्हें बंबई हाई कोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इसके बाद केंद्र ने उन्हें कलकत्ता हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की।

सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी से उनकी नियुक्ति हुई। न्यायमूर्ति घुगे का न्यायिक और कानूनी क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। बंबई हाई कोर्ट की आधिकारिक प्रोफाइल के अनुसार उन्होंने कोल्हापुर के छत्रपति शाहजी लॉ कॉलेज और औरंगाबाद के एम.पी. लॉ कॉलेज से पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम पूरा किया। उन्होंने 1990 में वकालत शुरू की और बंबई हाई कोर्ट के साथ-साथ औद्योगिक एवं श्रम न्यायालयों में भी मामलों की पैरवी की। अपने शुरूआती दौर में उन्होंने श्रमिकों और श्रमिक संगठनों का प्रतिनिधित्व किया। बाद में उन्होंने बहुराष्ट्रीय कंपनियों, बड़े निजी उद्योगों और भारतीय विधिज्ञ परिषद से जुड़े मामलों में भी पैरवी की। 21 जून 2013 को उन्हें बंबई हाई कोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया। इसके बाद उन्होंने करीब 13 वर्षों तक बंबई हाई कोर्ट में न्यायिक जिम्मेदारियां निभाईं। मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यभार ऐसे समय में शुरू हुआ है जब कलकत्ता हाई कोर्ट में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं।

हेमंत सोरेन की सरकार ने छात्रों को ठगा : रघुवर

हजारीबाग, एजेंसी। राज्य के छात्र आंदोलन के समर्थन और छात्रों पर दर्ज मुकदमों के विरोध में भाजपा की ओर से एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास भी शामिल हुए। इसके अलावा सांसद मनीष जायसवाल और भाजपा के कई विधायक सहित कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। मौके पर धरना-प्रदर्शन के जरिए भाजपा ने छात्रों पर दर्ज मुकदमों को तुरंत वापस लेने की मांग की। कार्यक्रम के बाद पार्टी ने डीसी और एसपी को ज्ञापन सौंपकर छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले तुरंत वापस लेने की मांग की। वहीं धरना के बाद रघुवर दास ने जेपीएससी रिफॉर्म मंच के प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने छात्रों से जुड़े पूरे मामले और उनकी मांगें उनके सामने रखीं। रघुवर दास ने छात्रों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

एक नजर

फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में, शुरूआत 2 सेट में हार के बाद एलेक्स मिशेलसन को हराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन एलेक्स मिशेलसन को हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने दो सेट गंवाने के बाद यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। टियाफो तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

यूएस ओपन

ग्यारहवीं सीड टियाफो को शुरूआत के दो सेट में दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने हराया। टियाफो तीसरे सेट में भी 5-3 से पिछड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि टियाफो मौजूदा टूर्नामेंट का अपना करिश्मा खो रहे हैं, लेकिन उसी समय उन्होंने वापसी की। उन्होंने न सिर्फ तीसरा सेट जीता, बल्कि मुकाबला भी अपने नाम किया। टियाफो ने 10-पॉइंट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल की और 4 घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7 3-6 7-5 6-3 7-6 (10-6) से अपने नाम किया। इस दौरान टियाफो को भीड़ का जोरदार समर्थन मिला।

22 साल के मिशेलसन अपना पहला क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। विजयी शुरूआत के बाद मिली हार ने उन्हें बेहद निराश कर दिया था। मैच समाप्ति के बाद मिशेलसन अपने आंसू नहीं रोक सके और टियाफो के गले लगकर रोने लगे।

टियाफो ने कहा, वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह आसानी से जीत सकता था। एलेक्स मिशेलसन को सलाम। सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद टियाफो ने पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जताई। वह 2022 और 2024 में भी सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन कार्लोस अल्काराज और टेलर फ्रिट्ज से हारकर उनका सफर समाप्त हो गया था।

मैच के बाद टियाफो से गले मिलने के बारे में मिशेलसन ने कहा, ₹उस पल में मुझे दिलासा देने के लिए वह बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं खुद को संभालने की कोशिश कर रहा था, और मैं इसमें अच्छा काम नहीं कर पाया। वह बहुत सारी अच्छी पर्सनल बातें कह रहे थे। मेरे पास शारीरिक और मानसिक रूप से आगे बढ़ने के लिए बहुत समय है। मैं फिर से यहां आऊंगा। मुझे पता है।

कंधार में फंसे भारतीय व्यापारी सूखे मेवे की खरीद और नए व्यापारिक रास्तों की तलाश में जुटे

अफगान मीडिया का बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। काबुल से मिली खबरों के अनुसार, जमीनी रास्तों के बंद होने, हवाई माल ढुलाई (एयर फ्रेट) के महंगे होने और सीमित वैकल्पिक रास्तों की वजह से अफगान निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ रही हैं, जिन्हें अपना सामान वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में संघर्ष करना पड़ रहा है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आसानी से इंपोर्ट सुनिश्चित करने के लिए, सूखे मेवे खरीदने के लिए कंधार गए भारतीय व्यापारियों का एक समूह अब वैकल्पिक रास्तों से अफगान सूखे मेवे नई दिल्ली एक्सपोर्ट करना चाहता है। रविवार की रिपोर्ट में कहा गया है कि कंधार के किसानों ने बताया कि प्रांत की मशहूर सुनहरी किशमिश पहले भारत एक्सपोर्ट की जाती थी, लेकिन वह रास्ता अब बंद है। 'गोल्डन' किस्म, जिसे स्थानीय रूप से 'अब्जोश' किशमिश कहा जाता है, 'आइटा' नाम के अंगूर से बनाई जाती है। सुनहरी किशमिश बनाने के लिए किसान अंगूरों को एक खास घोल में डुबोते हैं और फिर उन्हें सात दिनों तक तैयार जमीन पर फैलाकर रखते हैं। कंधार के ज्यादातर ताजे और सूखे मेवे पड़ोसी, अरब और यूरोपीय देशों को एक्सपोर्ट किए जाते हैं, लेकिन हाल ही में एयर फ्रेट (हवाई माल ढुलाई) की लागत बढ़ने से सूखे मेवे के व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। भारत के एक व्यापारी, आनंद, ने अफगान न्यूज वेबसाइट को बताया, हम यहां तीन-चार दिनों से सूखे मेवे खरीद रहे हैं और फिर उन्हें दूसरे एशियाई देशों के जरिए नई दिल्ली भेजते हैं। अफगानिस्तान के साथ हमारा व्यापार ऐसा ही है। सरकारी आंकड़ों से पहले ही पता चला था कि एक तरफ पाकिस्तान सीमा का बंद होना और दूसरी तरफ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक संघर्ष अफगानिस्तान के वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर रहे हैं। अलग-अलग रिपोर्टों में ऐसे आंकड़े दिए गए हैं जिनसे पता चलता है कि अफगान व्यापारियों ने वैकल्पिक रास्तों के तौर पर ईरान के चाबहार पोर्ट, उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान से होकर जाने वाले रेल कॉरिडोर और भारत के लिए एयर फ्रेट लिंक का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। ये विकल्प मजबूती तो देते हैं, लेकिन इनकी लागत ज्यादा होती है और इनमें भू-राजनीतिक जोखिम भी होते हैं। भारत अफगानिस्तान के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक बना हुआ है; पाकिस्तान द्वारा रास्ते बंद करने के बावजूद 2025-26 में दोनों देशों के बीच व्यापार 907.85 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

यूएई को 34 रन से मात देकर बांग्लादेश ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

विमेंस एशिया कप

दुबई, एजेंसी। बांग्लादेश ने 'विमेंस एशिया कप 2026' के 12वें मुकाबले में यूएई के खिलाफ 34 रन से जीत हासिल करते हुए सेमीफाइनल का अंतिम टिकट अपने नाम कर लिया है। यह टीम 10 सितंबर को 'सेमीफाइनल-1' में भारत का सामना करेगी, जबकि 11 सितंबर को 'सेमीफाइनल-2' में पाकिस्तान के सामने श्रीलंकाई टीम होगी। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी बांग्लादेशी टीम ने 7 विकेट खोकर 103 रन बनाए। इस टीम को मुकाबले की तीसरी गेंद पर दिलारा अख्तर (0) के रूप में शुरूआती झटका लगा। उस समय तक टीम का खाता नहीं खुल सका था। इसके बाद 8 के स्कोर पर शोभना मोस्तरी (3) भी पवेलियन लौट गईं।

यहां से कप्तान निगार सुल्ताना ने जुवैरिया फिरदौस के साथ तीसरे विकेट के लिए 37 गेंदों में 29 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 37 के स्कोर तक पहुंचाया। फिरदौस 20 गेंदों में 2 चौकों के साथ 16 रन बनाकर आउट हुईं।

यहां से कप्तान निगार सुल्ताना ने शर्मिन अख्तर के साथ चौथे विकेट के लिए 15 रन की साझेदारी करते हुए टीम को अर्धशतक के पार पहुंचा दिया। सुल्ताना 28 गेंदों में 3 चौकों के साथ 23 रन बनाकर आउट हुईं। टीम ने 52 के स्कोर तक 4 विकेट खो दिए थे, जिसके बाद 55 रन तक छठा विकेट भी गिर गया। यहां से नाहिदा अख्तर ने शर्मिन अख्तर के साथ 43 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जैसे-तैसे शतक के करीब पहुंचाया। शर्मिन अख्तर 31 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हुईं। उनकी इस पारी में 3 चौके शामिल रहे। नाहिदा 26 गेंदों में 1 चौके के साथ 16 रन बनाकर नाबाद रहीं। विपक्षी खेमे से सुरक्षा कोट्टे ने 4 ओवरों में 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि इंदुजा नंदकुमार ने 2 विकेट झटके। अर्चरा सुप्रिया और जननी तिरुक्कुमारन ने 1-1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में यूएई निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर सिर्फ 69 रन ही बना सकी। इस टीम के लिए तीर्था सतीश ने 11 रन और हीना होटचंदानी ने 18 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सकीं। बांग्लादेश की तरफ से राबिया खान ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि मारुफा अख्तर और नाहिदा अख्तर को 2-2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, सुल्ताना खातून और फहिमा खातून ने 1-1 सफलता प्राप्त की।

चेन्नई ओपन: संधु और डनेक ने शुरूआती राउंड में संयुक्त बढ़त बनाई

चेन्नई, एजेंसी। टीएनजीएफ कॉस्मो गोल्फ कोर्स में 1 करोड़ रुपए इनामी राशि वाले 'चेन्नई ओपन 2026' के पहले राउंड में अजितेश संधू और चेक गणराज्य के स्टेपन डनेक ने सात-अंडर 65 का स्कोर करके संयुक्त बढ़त बनाई। चंडीगढ़ के 37 वर्षीय पूर्व एशियन टूर विजेता संधु ने शुरूआती बढ़त बनाने के लिए 8 बर्डी लगाईं और केवल एक बोगी (पार-फोर 12वें होल पर) की। पीजीटीआई में 5 बार के विजेता संधु ने कोर्स पर स्कोर करने के मौकों का पूरा फायदा उठाया और 16वें और 18वें होल पर बर्डी के साथ शानदार समापन किया, जबकि दोनों ही होल पर उनकी गेंद ग्रीन के पास बने बंकर में चली गई थी। रातभर हुई बारिश के बाद 'प्रेफर्ड लाइज' (गेंद को बेहतर स्थिति में रखने की छूट) का नियम लागू था। संधु ने चेन्नई की उमस भरी परिस्थितियों से निपटने के लिए एशियन टूर पर खेलने के अपने अनुभव का भी सहारा लिया। 29 वर्षीय डनेक ने सात बर्डी वाला शानदार राउंड खेलकर संधु के स्कोर की बराबरी की। 'पीजीटीआई' में अपना तीसरा सीजन खेल रहे चेक खिलाड़ी डनेक ने पार-फाइव होल पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और उन सभी पर बर्डी हासिल की। संयुक्त रूप से बढ़त बनाने वाले खिलाड़ियों के बाद चंडीगढ़ के जयराज सिंह संधु सबसे आगे रहे; उन्होंने बिना किसी बोगी के छह-अंडर 66 का स्कोर किया और दिल्ली के राशिद खान व पवन वर्मा के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। 35 साल के राशिद, दो हफ्ते पहले विकाराबाद में तेलंगाना ओपन जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ चेन्नई पहुंचे। 'रेस टू द इंडिया चैंपियनशिप' में अभी सबसे आगे चल रहे सप्तक तलवार ने फाइव-अंडर 67 के स्कोर के साथ शुरूआत की और संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहे।

यूएस ओपन: जेसिका पेगुला सेमीफाइनल में पहुंचीं, एरिना सबालेंका से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। जेसिका पेगुला ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए मुकाबले में पेगुला ने एमा नवारो को 2 घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। जेसिका ने लगातार तीसरे सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

मैच की शुरूआत में पेगुला थोड़ी असहज दिख रही थीं। एमा नवारो ने उन्हें कुछ मुश्किल समय दिया, लेकिन पेगुला बेहतरीन वापसी की और मैच अपने नाम किया। जीत के बाद पेगुला के व्यवहार में राहत साफ दिख रही थी। उन्होंने कोर्ट पर मुश्किलों से लड़ने की बात मानी।

पेगुला ने जीत के बाद कहा, यह सच में बहुत मुश्किल था। यहां उमस थी। मैं अपनी बेस्ट सर्व नहीं कर पा रही थी। मैं आज वहां बहुत सारी मुश्किलों से लड़ रही थी।

जेसिका ने मैच देखने आए फैंस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, ₹यहां आने के लिए आप लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। आप लोगों के सामने खेलना सम्मान की बात है। इससे बढ़कर कुछ नहीं है। अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला का कुल मिलाकर यह चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल है। वह इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी आखिरी चार में पहुंची थीं।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश कर रही पेगुला को सेमीफाइनल में मुश्किल विपक्षी मिला है। सेमीफाइनल में पेगुला का मुकाबला पिछले दो बार की चैंपियन एरिना सबालेंका से होगा। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने से दो जीत दूर हैं। सबालेंका और पेगुला के बीच यह रोमांचक मुकाबला 2024 के फाइनल का रिप्ले होगा, जिसे सबालेंका ने जीता था। सबालेंका का पेगुला के खिलाफ 9-4 का रिकॉर्ड है। अगर पेगुला यूएस ओपन जीत जाती हैं और एलेना रयबाकिना अपना सेमीफाइनल में हार जाती हैं, तो वह डब्ल्यूटीए में नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर सकती हैं। 25 साल की अमेरिकी एम्मा नवारो के पास 2024 के बाद एक बार फिर से सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका था, लेकिन उनकी हमवतन पेगुला ने उनका रास्ता रोक दिया।

सीपीएल: एंटिगुआ की अमेजन वॉरियर्स पर जीत में चमके शादाब खान

गुयाना, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 30वां मैच गुयाना अमेजन वॉरियर्स और एंटिगुआ बरबुडा फॉल्कंस के बीच खेला गया। टूर्नामेंट में बेहतरीन फॉर्म में चल रही एंटिगुआ ने अमेजन को 65 रन से हरा दिया। प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी एंटिगुआ ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 182 रन बनाए। इसमें छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए शादाब खान की अहम भूमिका रही। शादाब ने मात्र 9 गेंदों पर 3 छक्के और 2 चौके लगाते हुए नाबाद 30 रन की पारी खेली। इसके अलावा, हसन नवाज ने 36, अमिर जांगू ने 27, करिमा गोरे ने 23 और इविन लुइस ने 22 रन की पारी खेली। कप्तान मोईन खान ने 18 रन बनाए। अमेजन की तरफ से रोमारियो शेफर्ड, खैरी पियरे, मोहम्मद नबी, कप्तान इमरान ताहिर और शमार जोसेफ ने 1-1 विकेट लिए। 183 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी अमेजन वॉरियर्स की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। पूरी टीम 14.2 ओवर में 117 रन पर सिमट गई और 65 रन से मैच हार गई। मावेंद्र दिनदयाल मे सर्वाधिक 25 रन बनाए। इसके अलावा, मोहम्मद नबी ने 23 रन की पारी खेली। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 8 गेंदों पर 18 रन बनाए। अमेजन की पारी 34 गेंद पहले सिमट गई, जबकि जीत के लिए 66 चाहिए थे। अगर विकेट हाथ में हो तो टी20 में यह लक्ष्य बिल्कुल संभव है। एंटिगुआ की तरफ से तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने 4 ओवर में 41 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जोशुआ जेम्स, शादाब खान और सुफियान मुकिम ने 2-2 विकेट लिए। शादाब खान को उनकी बेहतरीन ऑलराउंड परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हालांकि, इस हार के अमेजन वॉरियर्स पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। टीम पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। अमेजन वॉरियर्स 7 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। एंटिगुआ भी क्वालीफाई कर चुकी है। टीम 10 मैचों में 6 जीत और एक रद्द मैच से 1 अंक लेकर कुल 13 अंक के साथ शीर्ष पर है।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने विस्तार के लिए वैश्विक निवेशकों से जुटाए 9,825 करोड़ रुपए

अहमदाबाद, एजेंसी। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने बुधवार को ऐलान किया कि उसने वैश्विक निवेशकों के एक कंसोर्टियम से प्राइमरी इक्विटी कैपिटल के रूप में 9,825 करोड़ रुपए (एक अरब डॉलर) जुटाए हैं।

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एआईएल) की सहायक कंपनी एएएचएल ने कहा कि उनसे 18 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर अल्फा वेव ग्लोबल, प्रेमजी इन्वेस्ट, टेमासेक और ब्लैकरॉक द्वारा मैनेज किए जाने वाले फंड्स से 9,825 करोड़ रुपए जुटाए हैं। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, जीत अदाणी ने कहा, ₹यह साझेदारी अदाणी एयरपोर्ट्स प्लेटफॉर्म को बनाने की दिशा में एक अहम पड़ाव है और इस सफर में हमारे साथ इतने बड़े और लंबे समय के लिए निवेश करने वाले निवेशक पाकर हम खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का एविएशन सेक्टर देश की जीडीपी ग्रोथ को तेजी से बढ़ाने वाले सबसे अहम सेक्टर में से एक है। एयर कनेक्टिविटी में हर विस्तार से एयरपोर्ट गेट के बाहर भी व्यापार, पर्यटन, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलता है। जीत अदाणी ने कहा, इन पार्टनर्स के सहयोग से, हम इस ग्रोथ से पहले ही निवेश करना जारी रखेंगे। हम अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, शहर-स्तर के डेवलपमेंट और नॉन-एरोनॉटिकल बिजनेस को बड़ा करेंगे ताकि दुनिया के सबसे बेहतरीन इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट प्लेटफॉर्म में से एक बनाया जा सके। इस फंड का इस्तेमाल एएएचएल के पोर्टफोलियो में एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और आधुनिकीकरण, एयरपोर्ट के आस-पास इंटीग्रेटेड अदाणी एयरपोर्ट सिटी इकोसिस्टम के डेवलपमेंट में तेजी लाने (जिसके पहले चरण में 22 मिलियन स्क्वायर फीट में मिक्स्ड-यूज डेवलपमेंट की योजना है) और यात्रियों से जुड़े और अन्य नॉन-एरोनॉटिकल बिजनेस (जैसे ग्राउंड हैंडलिंग बिजनेस) को बढ़ाना के लिए किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इन निवेशों से सालाना 20 करोड़ (200 मिलियन) यात्रियों को सेवा देने की क्षमता बढ़ने, और एएएचएल के इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट इकोसिस्टम को और मजबूत करने की उम्मीद है।

भारतीय शेयर बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों से लाल निशान में खुला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में खुला। सुबह 9:22 पर सेंसेक्स 533 अंक या 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,044 और निफ्टी 135 अंक या 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,498 पर था। शुरूआती कारोबार में बाजार पर दबाव बनाने का काम आईटी और सर्विसेज सेक्टर ने किया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी और निफ्टी सर्विसेज टॉप लूजर्स थे। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी कंज्पशन, निफ्टी ऑयलएंडगैस और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग भी लाल निशान में थे। वहीं, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी पीएसई, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटीज हरे निशान में थे। सेंसेक्स पैक में एलएंडटी, एनटीपीसी, सन फार्मा, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, बीईएल, अदाणी पोर्ट्स और कोटक महिंद्रा बैंक गेनर्स थे। एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचयूएल, एमएंडएम, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, एसबीआई, एक्सिस बैंक, आईटीसी, टाइटन, मारुति सुजुकी और एशियन पेंट्स लूजर्स थे। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हुआ है। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक और सोल हरे निशान में थे, जबकि जकार्ता लाल निशान में था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को लाल निशान में बंद हुए थे। मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और नैस्डैक 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

यूपीआई को वैश्विक बनाने की दिशा में भारत का अगला कदम; क्रेडिट, बीमा और निवेश पर देना होगा जोर: मोदी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में 7वें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 का शुभारंभ हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर समेत कई दिग्गज हस्तियां सम्मिलित हुईं। 8 से 11 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) के शुभारंभ अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के डिजिटल भुगतान और फिनटेक क्षेत्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और कहा कि देश अब केवल डिजिटल भुगतान तक सीमित नहीं रह सकता। उन्होंने उद्योग जगत से आह्वान किया कि फिनटेक को अगले चरण में ले जाकर क्रेडिट, बीमा, बचत, निवेश और पेंशन जैसे क्षेत्रों में इसकी हिस्सेदारी बढ़ाई जाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का लक्ष्य केवल घरेलू स्तर पर डिजिटल वित्तीय समावेशन बढ़ाना नहीं, बल्कि भारतीय भुगतान प्रणालियों को वैश्विक स्तर पर जोड़ना भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यूपीआई आज कई देशों तक पहुंच चुका है, लेकिन यह केवल शुरूआत है। उन्होंने कहा कि भारत को अब अन्य देशों की भुगतान प्रणालियों के साथ इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए।

उन्होंने सिंगापुर का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत और सिंगापुर के बीच भुगतान प्रणाली का एकीकरण इस स्तर तक पहुंच चुका है कि दोनों देशों के बीच लेनदेन उसी तरह संभव है जैसे किसी एक शहर के दो इलाकों के बीच। प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, जहां भारत का व्यापक व्यापारिक संबंध है और जो देश भारत के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, वहां यूपीआई आधारित भुगतान ढांचे का विस्तार किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने डिजिटल भुगतान प्रणाली की बढ़ती ताकत का उल्लेख करते हुए कहा कि केवल अगस्त महीने में ही यूपीआई के माध्यम से 24 अरब से अधिक लेनदेन हुए हैं।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान उनकी 10 मिनट की बातचीत के समय में ही औसतन 50 लाख से अधिक यूपीआई ट्रांजेक्शन हो चुके होंगे। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा दर्शाता है कि डिजिटल भुगतान भारत की अर्थव्यवस्था और दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी समावेशन का सबसे प्रभावी माध्यम है और यूपीआई ने इसे साबित भी किया है। उन्होंने कहा कि फिनटेक की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उसने उन लोगों तक भी बैंकिंग सेवाएं पहुंचाई हैं, जहां पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था कभी नहीं पहुंच पाई थी। हालांकि उन्होंने कहा कि वर्तमान में फिनटेक बाजार का बड़ा हिस्सा भुगतान सेवाओं पर केंद्रित है। अब समय आ गया है कि उद्योग भुगतान से आगे बढ़े और क्रेडिट, बीमा, बचत, निवेश तथा पेंशन जैसे क्षेत्रों में डिजिटल वित्तीय सेवाओं का विस्तार करे। इससे वित्तीय समावेशन को और मजबूती मिलेगी तथा अर्थव्यवस्था में पूंजी निर्माण बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया इस समय संघर्षों, अनिश्चितताओं और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी चुनौतियों का सामना कर रही है। ऊर्जा और वस्तुओं की आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है तथा वैश्विक व्यापार भी विभिन्न तनावों से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की विकास दर दर्ज कर रही है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संदेश है।

वित्त वर्ष 2032 तक भारत की एनर्जी स्टोरेज की आवश्यकता आठ गुना बढ़कर 411 गीगावाट घंटे हो जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में एनर्जी स्टोरेज की आवश्यकता वित्त वर्ष 32 तक लगभग 8 गुना बढ़कर करीब 411 गीगावाट घंटे होने की उम्मीद है, जबकि जून 2026 तक ऑपरेशनल स्टोरेज क्षमता लगभग 54 गीगावाट घंटे थी। यह दावा मंगलवार को आई एक रिपोर्ट में किया गया।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, टारगेटेड स्टोरेज क्षमता के लिए 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश की जरूरत होगी, जो अगले छह सालों में इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश का बड़ा मौका देगा।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एनर्जी स्टोरेज एक अहम भूमिका निभा रहा है। यह दिन के समय अतिरिक्त सोलर बिजली को स्टोर करता है और शाम के पीक घंटों में सप्लाई करता है, जिससे नेट लोड कर्व को संतुलित करने, बिजली कटौती को कम करने और रैम्पिंग की जरूरतों को आसान बनाने में मदद मिलती है। कंपनी ने कहा कि भारत का पावर सेक्टर क्षमता बढ़ाने की चुनौती से आगे बढ़कर इंटीग्रेशन (ग्रिड में जोड़ने) की चुनौती की ओर बढ़ रहा है। गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी इंस्टॉल्ड क्षमता में 50 प्रतिशत थी, लेकिन बिजली उत्पादन में इनका योगदान केवल 29 प्रतिशत के आसपास रहा, जो रिन्यूएबल स्रोतों की अनियमितता और कम पीएलएफ (प्लांट लोड फैक्टर) को दिखाता है। इसमें बताया गया है कि सोलर एनर्जी के बढ़ते इस्तेमाल से 'डक कर्व' गहरा होता जा रहा है। सुबह के समय रैम्प-डाउन (बिजली की मांग में कमी) मई 2025 में लगभग 28 गीगावाट से बढ़कर मई 2026 में लगभग 50 गीगावाट हो गया, जबकि शाम के समय रैम्प-अप (दिन के सबसे कम नेट लोड से बढ़ोतरी) लगभग 68 गीगावाट से बढ़कर लगभग 80 गीगावाट हो गया। यह ट्रेंड पारंपरिक बिजली उत्पादन पर दबाव बढ़ा रहा है और आरई (रिन्यूएबल एनर्जी) की कटौती में योगदान दे रहा है। ट्रांसमिशन और ग्रिड-स्टेबिलिटी की चिंताओं के कारण 3एमएफवाई27 में लगभग 8.1 टीडब्ल्यूएच सोलर बिजली की कटौती की गई।

केयरएज रेटिंग्स के ईडी और सीआरओ सचिन गुप्ता ने कहा, ₹भारत का पावर सेक्टर रिन्यूएबल क्षमता बढ़ाने की चुनौती से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित करने की ओर बढ़ रहा है कि रिन्यूएबल बिजली को ग्रिड में प्रभावी ढंग से जोड़ा जा सके। जैसे-जैसे सोलर और विंड क्षमता बढ़ेगी, अतिरिक्त ऊर्जा को स्टोर करने और पीक डिमांड के समय उसका इस्तेमाल करने की क्षमता अहम हो जाएगी।

कमर दर्द और गर्दन की अकड़न से हैं परेशान, रोज करें ये योगासन

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में दफ्तर में घंटों तक कंप्यूटर के सामने बैठे रहना और गलत पोस्चर में काम करने से थकान और शारीरिक गतिविधियों की कमी से कम उम्र में ही कमर दर्द, गर्दन में अकड़न और स्पाइन से जुड़ी समस्याएं आम होती जा रही हैं। ऐसे में योग रीढ़ को स्वस्थ और लचीला बनाए रखने का सबसे आसान और प्राकृतिक तरीका है। योग के नियमित अभ्यास से न सिर्फ रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है बल्कि शरीर का पोस्चर भी सुधरता है और दर्द से राहत मिलती है। हम आपको ऐसे कुछ आसनों के बारे में बताएंगे, जो स्वस्थ रीढ़ के लिए प्रभावकारी हैं।

ताड़ासन - यह योग की सामान्य मुद्राओं में से एक माना जाता है, जो पूरे शरीर को हल्का खिंचाव देकर (पोश्चर) को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत और सीधा रखता है, कंधों और गर्दन की जकड़न कम करता है, शरीर के संतुलन और स्थिरता को बढ़ाता है।

ऊर्ध्व हस्तोत्तानासन - यह एक खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ, लचीला और मजबूत बनाने में मदद करता है। साइड में झुकने से पसलियों की मांसपेशियां खुलती हैं, जिससे फेफड़ों को ऑक्सीजन लेने के लिए अधिक जगह मिलती है।

अर्ध चक्रासन- आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्ध चक्रासन (हाफ व्हील पोज) एक बेहतरीन बैकबेंडिंग (पीछे की ओर झुकने वाला) योगासन है, जो रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन और फेफड़ों की कार्यप्रणाली में सुधार करने में अत्यधिक प्रभावी है। इस आसन को करने के दौरान शरीर पीछे की ओर झुकता है, जिससे रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक दबाव पड़ता है और लचीलापन सुधरता है।

त्रिकोणासन- त्रिकोणासन रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन और मजबूती के लिए बेहद प्रभावकारी योग आसन है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को दोनों तरफ एक बेहतरीन खिंचाव देता है, जिससे पीठ का दर्द कम होता है और शारीरिक मुद्रा में सुधार होता है।

माजार्रीआसन- यह रीढ़ की हड्डी को लचीला और मजबूत बनाने वाला एक बेहद सरल और असरदार योगासन है। एक्सपर्ट बताते हैं कि रोजाना कुछ मिनट मार्जरी आसन को करने से दर्द से निजात पाया जा सकता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर बिल्ली की मुद्रा में होता है। इसको करते समय रीढ़ की हड्डी को आगे-पीछे लहर की तरह हिलाया जाता है, जिससे पूरा स्पाइन लचीला और मजबूत बनता है।

वक्रासन- इस आसन को रीढ़ की हड्डी और कमर के लिए उपयोगी माना जाता है। इसका नियमित अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कमर और कंधों में होने वाले खिंचाव और दर्द से राहत पाने में भी यह उपयोगी माना जाता है। खासकर लंबे समय तक बैठने वाले लोगों के लिए यह आसन शरीर को स्ट्रेच करने का अच्छा तरीका हो सकता है।

अर्ध उष्ट्रासन- दफ्तर में लगातार सिस्टम के आगे झुककर बैठने से रीढ़ की हड्डी में कड़ापन आ जाता है। यह आसन रीढ़ को पीछे की तरफ मोड़कर उसके स्वाभाविक लचीलेपन को वापस लाता है। इसके नियमित अभ्यास से कंधे झुकने की समस्या दूर होती है और शरीर की मुद्रा सुधरती है।

शशकासन- इस आसन को करने के दौरान रीढ़ की हड्डी पर खिंचाव पड़ता है और लचीलापन आता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से आपको पीठ की समस्याओं में आराम मिलता है।

'कुछ दर्द दिखाई नहीं देते', मानसिक पीड़ा से जुड़े 5 बड़े मिथक और उनके तथ्य

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसिक स्वास्थ्य हमारे जीवन का उतना ही जरूरी हिस्सा है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य। फिर भी मानसिक परेशानी को लेकर समाज में आज भी कई तरह के भ्रम और झिझक मौजूद हैं। खासकर आत्महत्या जैसे संवेदनशील विषय पर खुलकर बात करने के बजाय अक्सर चुप्पी साध ली जाती है। यही चुप्पी कई बार किसी परेशान व्यक्ति को और अकेला महसूस करा सकती है। इसलिए जरूरत है कि हम आत्महत्या से जुड़े मिथकों को समझें, उन्हें तोड़ें और संवेदनशीलता के साथ लोगों का साथ दें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सबसे आम भ्रम है कि जो लोग आत्महत्या की बात करते हैं, वे वास्तव में ऐसा करना नहीं चाहते। हकीकत यह है कि गहरे मानसिक और भावनात्मक दर्द से गुजर रहे कई लोग सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी परेशानी या आत्महत्या से जुड़े विचार व्यक्त कर सकते हैं। ऐसे किसी भी संकेत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

दूसरा मिथक है कि किसी व्यक्ति से आत्महत्या के बारे में पूछने से उसके मन में यह विचार आ सकता है। ऐसा नहीं है। संवेदनशीलता और बिना जज किए सीधे बातचीत करना व्यक्ति को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का मौका दे सकता है। कई बार किसी परेशान इंसान को समाधान से पहले सिर्फ एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जो उसकी बात ध्यान से सुने।

यह मानना भी सही नहीं है कि आत्महत्या करने वाला व्यक्ति मरने का पूरी तरह दृढ़ निश्चय कर चुका होता है। आत्महत्या के विचारों से जूझ रहे कई लोग गहरे भावनात्मक दर्द से राहत चाहते हैं और उनके मन में दुविधा भी हो सकती है। ऐसे समय में समय पर सहायता और उचित हस्तक्षेप महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

एक और भ्रम है कि आत्महत्या हमेशा बिना किसी चेतावनी के होती है। कई मामलों में व्यक्ति पहले से कुछ संकेत दे सकता है, जैसे लगातार निराश रहना, लोगों से दूरी बनाना, चिड़चिड़ापन, व्यवहार में अचानक बदलाव या मृत्यु के बारे में बात करना। इन संकेतों को गंभीरता से लेना जरूरी है।

यह भी जरूरी नहीं कि केवल मानसिक बीमारी से जूझ रहे लोग ही आत्महत्या करते हैं। मानसिक विकार एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक हो सकते हैं, लेकिन आत्महत्या के पीछे मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, जैविक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय कई कारणों का जटिल मेल हो सकता है।

इसलिए किसी की परेशानी को छोटा न समझें। उसे सुनें, समझें और बिना किसी निर्णय के उसके साथ खड़े रहें। जरूरत महसूस होने पर विशेषज्ञ सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

एक नजर

बेंगलुरु में स्विगी इंस्टामार्ट के गोदाम पर छापा

स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों से खरीदारी से पहले एक्सपायरी डेट जांचने की अपील की

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग ने एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों और दवाइयों के भंडारण व बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बेंगलुरु में स्विगी इंस्टामार्ट के एक गोदाम पर छापा मारा। इस बीच राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यू.टी. खादर ने लोगों से खाद्य पदार्थ और दवाइयां खरीदने से पहले उनकी एक्सपायरी डेट अवश्य जांचने की अपील की। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा विभाग और औषधि सुरक्षा विभाग द्वारा बेंगलुरु और आसपास के इलाकों में चलाए जा रहे व्यापक प्रवर्तन अभियान का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी सामने आनी बाकी है।

मीडिया से बातचीत में मंत्री यू.टी. खादर ने कहा कि पिछले एक सप्ताह के दौरान राज्यभर में लगभग तीन करोड़ रुपये मूल्य के एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थ और दवाइयां जब्त की गई हैं। इनमें ऐसे उत्पाद भी शामिल हैं, जिन पर कथित तौर पर दोबारा लेबल लगाकर बिक्री की तैयारी की जा रही थी। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा, मैं सभी लोगों से आग्रह करता हूं कि कोई भी खाद्य पदार्थ, दवा या अन्य उत्पाद खरीदने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट जरूर देखें। यदि आपको कोई छोटी-सी भी गड़बड़ी या संदेह नजर आए तो तुरंत इसकी सूचना दें, क्योंकि इससे किसी बड़े रैकेट का खुलासा हो सकता है।

खादर ने बताया कि विभाग ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए क्यूआर कोड और बारकोड प्रणाली शुरू की है, जिससे लोग उत्पादों की जानकारी और वैधता की जांच कर सकते हैं। उन्होंने सामाजिक कार्यकताओं से भी इस व्यवस्था के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपील की।

पीठ की अकड़न और कब्ज से हैं परेशान सुप्त मत्स्येंद्रासन है रामबाण उपाय

नई दिल्ली, एजेंसी। दफ्तर में घंटों बैठकर काम करने और शारीरिक गतिविधि कम होने की वजह से कमर दर्द, कब्ज और पीठ में अकड़न की समस्या आम हो गई हैं। इन शारीरिक समस्याओं से निजात पाने के व्यक्ति योग का सहारा ले सकता है। सही खानपान और योग से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं। योग के इन्हीं आसनों में 'सुप्त मत्स्येंद्रासन' बेहद लाभदायक है, जो न सिर्फ कमर दर्द और जकड़न दूर करता है बल्कि मन को शांति मिलती है। सुप्त मत्येंद्रासन को अंग्रेजी में सुपाइन स्पाइनल ट्विस्ट या रिक्लाइंड ट्विस्ट कहा जाता है। यह आसन संस्कृत के तीन शब्दों से मिलकर बना है, सुप्त (लेटना), मत्स्येंद्र (पौराणिक योगी मत्स्येंद्रनाथ) और आसन (मुद्रा)।

यह अर्ध मत्स्येंद्रासन का लेटा हुआ, पुनर्स्थापनात्मक रूप है, जो निष्क्रिय, गुरुत्वाकर्षण-सहायता प्राप्त स्थिति में रीढ़ की हड्डी के घुमाव के समान आवश्यक लाभ प्रदान करता है और इसके लिए किसी बल की आवश्यकता नहीं होती है। यह आसन योग की शास्त्रीय परंपरा में गहराई से जुड़ा हुआ है, जिससे विश्राम, स्थिरता और रीढ़ की हड्डी में हल्का तनाव कम होता है। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन, पीठ दर्द से राहत और पाचन तंत्र को सुधारने के लिए एक उत्कृष्ट अभ्यास माना है। सुप्त मत्स्येंद्रासन, एक लेटने की मुद्रा है जिसमें एक घुटना शरीर के आर-पार मुड़ा होता है और उसी तरफ का हाथ बाहर की ओर फैला होता है। इसे करने के दौरान रीढ़ की हड्डी कमर से गर्दन तक धीरे-धीरे घूमती है। नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी की गतिशीलता बढ़ती है, कूल्हों का तनाव कम होता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है और पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र सक्रिय होता है, जिससे यह हठ योग और पारंपरिक योग दोनों में सबसे अधिक चिकित्सकीय रूप से उपयोगी आसनों में से एक बन जाता है। यदि आप पहली बार योग कर रहे हैं या किसी चिकित्सीय स्थिति से गुजर रहे हैं, तो इसे हमेशा किसी प्रमाणित योग शिक्षक की देखरेख में ही शुरू करें। इसके साथ ही, रीढ़ की हड्डी, कूल्हे, घुटने या कंधों में हाल ही में कोई चोट लगी हो या सर्जरी हुई हो, तो इसे न करें।

डीआर कांगो में इबोला का प्रकोप अलग-अलग रूप ले रही महामारी

किंशासा, एजेंसी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में फैला इबोला संक्रमण अब तेजी से अलग-अलग रूप लेता हुआ दिखाई दे रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा बाहरी स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावित प्रांतों और स्वास्थ्य क्षेत्रों में संक्रमण का फैलाव एक जैसा नहीं है। कुछ इलाकों में मामले कम हो रहे हैं, जबकि अन्य जगहों पर संक्रमण बढ़ रहा है और नए क्षेत्रों तक फैल रहा है। मंगलवार (स्थानीय समय) को जारी रिपोर्ट में कहा गया है, यह स्थिति दिखाती है कि महामारी अब अलग-अलग क्षेत्रों में अलग रुख अपना रही है। कुछ जगहों पर संक्रमण कम हो रहा है, लेकिन दूसरी जगहों पर यह तेजी से बढ़ रहा है और नए इलाकों में फैल रहा है।

रिपोर्ट में एक चिंताजनक पहलू यह बताया गया है कि अब अधिक लोग स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने से पहले ही समुदाय के भीतर अपनी जान गंवा रहे हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 31 अगस्त से 6 सितंबर के बीच, पुष्टि किए गए कुल मौतों में से 75 प्रतिशत मौतें समुदाय के भीतर हुईं। रिपोर्टिंग अवधि में यह सबसे अधिक साप्ताहिक अनुपात है। दो सप्ताह पहले यह आंकड़ा 56.6 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, यह अंतर चिंता की बात है क्योंकि इलाज केंद्रों में होने वाली मौतों में कमी जारी रहने के बावजूद समुदाय में मौतों की संख्या बढ़ रही है। इससे पता चलता है कि कुल मृत्यु दर में पहले जो गिरावट देखी गई थी, वह अब बरकरार नहीं रह पाई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि समुदाय में लगातार अधिक मौतों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। इनमें बीमारी की देर से पहचान होना, मामलों की जानकारी देर से मिलना, मरीजों को समय पर इलाज केंद्रों तक न पहुंचा पाना, लोगों द्वारा बीमारी की गंभीरता को न समझना, दूरदराज इलाकों और परिवहन की समस्याएं, औपचारिक स्वास्थ्य केंद्रों की बजाय अन्य जगहों पर इलाज कराना, और स्वास्थ्य सेवाओं पर लोगों का भरोसा कम होना शामिल हैं।

मनोरंजन

गैंगस्टर बनना चाहती हैं मालविका मोहनन 'सरदार 2' से पहले किया खुलासा

मुंबई, एजेंसी। साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर अभिनेत्री मालविका मोहनन बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सरदार 2' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे भविष्य में गैंगस्टर का रोल निभाना चाहेंगी।

दरअसल, सोशल मीडिया पर सवाल जवाब के दौरान अभिनेत्री से एक फैन ने पूछा कि वो आगे किस तरह के रोल करना चाहती हैं, तो मालविका ने कहा, मैं गैंगस्टर का रोल करना चाहती हूं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'सरदार 2' के को-स्टार कार्थी के बारे में भी बताया। एक और फैन ने पूछा कि खाने का शौकीन कौन है, तो एक्ट्रेस ने कहा, हम दोनों को ही खाना और स्नैकिंग बहुत पसंद है। मुझे तो कभी भी, कहीं भी स्नैक खाना अच्छा लगता है और प्रमोशन के दौरान मुझे लगा कि कार्थी सर भी मेरे जैसे ही हैं। फिल्म 'सरदार 2' में अभिनेत्री मालविका मोहनन के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। पी.एस. मित्रन के निर्देशन में बनी फिल्म साल 2022 की हिट फिल्म 'सरदार' का सीक्वल है। साथ ही, यह फिल्म प्रीक्वल का भी काम करती है, जिसमें एजेंट सरदार (चंद्र बोस) के अतीत और उनके बेटे विजय प्रकाश की कहानी को आगे दिखाया जाएगा। डायरेक्टर पी एस मिथरन ने 'सरदार' में पानी के व्यवसायीकरण के मुद्दे को उठाया था। ये फिल्म बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब इस स्पाई थ्रिलर के दूसरे पार्ट में डायरेक्टर ने सेहत और हाइजीन से जुड़े मुद्दों को दिखाने की कोशिश की है। फिल्म में कार्थी एक बार फिर पिता (चंद्रबोस उर्फ सरदार) और पुत्र (इंस्पेक्टर विजय प्रकाश) की दोहरी भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी चंद्रबोस के अतीत के एक अधूरे मिशन और उससे जुड़े पुराने जख्मों से जुड़ी है, जो वर्तमान में एक नए और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय खतरे के रूप में लौटती है। इस सीक्वल में एसजे सूर्या एक खूंखार और शक्तिशाली 'ब्लैक डैगर' की भूमिका निभा रहे हैं, जो कार्थी के सामने एक बड़ी चुनौती बनते हैं। फिल्म में मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और राजिशा विजयन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, फिल्म में योगी बाबू और अन्य जाने-माने कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

दूसरे बच्चे के स्वागत की तैयारी में रणवीर-दीपिका

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड के चर्चित कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण अपने दूसरे बच्चे के स्वागत का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने अपनी बेटी दुआ के साथ कुछ प्यारी पारिवारिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। रणवीर और दीपिका ने एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, बेबी दुआ और हमारे दिल और बड़े हो रहे हैं! आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।₹ साथ ही उन्होंने नजर न लगने और प्रार्थना वाले इमोजी भी लगाए। मेटरनिटी फोटोशूट की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में दुआ अपने माता-पिता के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरों में दुआ काफी बड़ी लग रही हैं और दीपिका व रणवीर के साथ मुस्कुराती दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में दीपिका अपना बेबी बंप भी फ्लॉन्ट करती नजर आईं। दुआ ने कॉलर वाला टॉप और ट्राउजर पहना हुआ था। उनके बाल दो पोनीटेल में बंधे थे, जिन पर रिबन लगे हुए थे।

शिल्पा शेट्टी ने पति राज कुंद्रा को दी जन्मदिन की बधाई लिखा- तुम्हारे साथ जिंदगी और भी ज्यादा मजेदार है

मुंबई, एजेंसी। शिल्पा शेट्टी के पति और अभिनेता राज कुंद्रा बुधवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने पति को जन्मदिन की बधाई दी। साथ ही पति के स्वास्थ्य, खुशी, प्यार, हंसी और समृद्धि से भरी जिंदगी की कामना की।

अभिनेत्री ने राज कुंद्रा के साथ बिताए हुए पलों का एक मोंटाज वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, ₹हर दिन मेरे लिए खास होता है, लेकिन आज का दिन कुछ ज्यादा ही खास है क्योंकि आज राज कुंद्रा आपका जन्मदिन है। भगवान करे आप हमेशा खुश रहे, सलामत रहे और आपकी जिंदगी प्यार और हंसी से भरी रहे। शिल्पा शेट्टी ने लिखा, ₹एक और साल तुम्हें परेशान करने, तुम्हारे साथ हंसने और जिंदगी के हर पल को साथ जीने के लिए। जन्मदिन मुबारक हो। तुम्हारे साथ जिंदगी और भी ज्यादा मीठी है।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की पहली मुलाकात एक परफ्यूम ब्रांड के प्रमोशन और बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई थी। दोनों ने कुछ समय डेटिंग करने के बाद 22 नवंबर 2009 को खंडाला, महाराष्ट्र में एक भव्य और शाही समारोह में शादी की थी। यह शादी पंजाबी और बंट (दक्षिण भारतीय) परंपराओं के अनुसार हुई थी, क्योंकि शिल्पा शेट्टी कर्नाटक के बंट समुदाय से ताल्लुक रखती हैं और राज कुंद्रा पंजाबी परिवार से हैं। इस डेस्टिनेशन वेडिंग में शिल्पा ने प्रसिद्ध डिजाइनर तरुण तहलियानी की डिजाइन की हुई लगभग 50 लाख रुपये की साड़ी पहनी थी और उन्होंने करोड़ों रुपये के पारंपरिक गहने पहने थे। इस दंपती के दो बच्चे हैं, एक बेटा जिसका नाम वियान राज कुंद्रा है और एक बेटी जिसका नाम समीषा शेट्टी कुंद्रा है। शिल्पा की बात करें तो, उन्हें आखिरी बार सोनल जोशी निर्देशित फिल्म 'सुखी' में देखा गया था। इसमें शिल्पा के साथ अमित साध, डेलनाज ईरानी, कुशा कपिला और पवलीन गुजराल लीड रोल में हैं।

अपकमिंग फिल्म 'बोहुरूपीः द गोल्डन डाकू' का नया गाना 'भुलते परबे ना' रिलीज

मुंबई, एजेंसी। जीशु सेनगुप्ता और सोहिनी सरकार की फिल्म 'बोहुरूपी : द गोल्डन डाकू' के मेकर्स ने नया गाना 'भूलते पारबे ना' रिलीज कर दिया है। जीशू ने कहा, 'भूलते पारबे ना' मेरे दिल के बहुत करीब है। यह 'बोहुरूपी - द गोल्डन डाकू' में बनाई गई दुनिया का एक बिल्कुल अलग पहलू दिखाता है। यह एक खूबसूरत रोमांटिक धुन है। यह अरमान की आवाज, अनुपम के संगीत और बोल के साथ मिलकर भावनाओं को बहुत अच्छे से पेश करती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म के इस रोमांटिक पहलू का उतना ही आनंद लेंगे, जितना हमने इसे बनाने में लिया।

अभिनेत्री सोहिनी ने कहा, 'भूलते पारबे ना' गाना 'बोहुरूपी : द गोल्डन डाकू' के भावनात्मक पहलू को खूबसूरती से सामने लाता है। गाने में बहुत ही अपनापन और दिल को छू लेने वाला एहसास है। मुझे लगता है कि यह झिमली और उसके सफर में एक प्यारा नया आयाम जोड़ता है। इस गाने में काम करना और फिल्म के इस खूबसूरत पल का हिस्सा बनना वाकई खास था। मुझे उम्मीद है कि दर्शक गाने की भावनाओं और धुन से उतना ही जुड़ेंगे, जितना हम जुड़े। फिल्म के निर्देशक नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने भी एक संयुक्त बयान में कहा, 'बोहुरूपी : द गोल्डन डाकू' के साथ हम एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते थे, जिसमें एक्शन, सस्पेंस और बड़े पैमाने पर चीजें हों, लेकिन साथ ही इसके केंद्र में गहरी मानवीय भावनाएं भी हों। गाना उस भावनात्मक और रोमांटिक पहलू को सामने लाता है। जीशु दा का हारमोनियम बजाना गाने में एक खूबसूरत अपनापन लाता है, जबकि अनुपम रॉय का संगीत-बोल और अरमान की आवाज एक बेहतरीन माहौल बनाते हैं। हमारे लिए यह महत्वपूर्ण था कि रोमांस कहानी का एक स्वाभाविक हिस्सा लगे और हमारा मानना है कि यह गाना इसे खूबसूरती से दिखाता है।

सलमान से जैकलीन तक : इन सितारों के घर धूमधाम से मनाया जाता है गणेश उत्सव

मुंबई, एजेंसी। गणेश चतुर्थी आते ही मुंबई की गलियों से लेकर फिल्मी सितारों के घरों तक 'गणपति बप्पा मोरया' की गूंज सुनाई देने लगती है। आम लोगों की तरह बॉलीवुड के कई सितारों के लिए भी गणेश उत्सव का त्योहार बेहद खास होता है। कई सितारों के घर का बप्पा सेलिब्रेशन हर साल सुर्खियों में रहता है। आइए जानते हैं उन फिल्मी सितारों के बारे में, जिनके गणेश उत्सव में आस्था के साथ परिवार और त्योहार की रौनक भी साफ दिखाई देती है।

सलमान खान- खान परिवार का गणपति उत्सव लंबे समय से लोगों का ध्यान खींचता रहा है। सलमान कई मौकों पर अपनी बहन अर्पिता खान शर्मा के घर होने वाले गणपति उत्सव में शामिल होते हैं। 2025 में भी अर्पिता के मुंबई स्थित घर पर बप्पा की स्थापना हुई थी, जहां सलमान अपने माता-पिता सलीम खान और सलमा खान के साथ आरती करते दिखाई दिए। इस दौरान परिवार के दूसरे सदस्य और करीबी दोस्त भी मौजूद थे। बाद में विसर्जन के मौके पर सलमान को बहन अर्पिता और सोनाक्षी सिन्हा के साथ डांस करते हुए भी देखा गया।

सोनाली बेंद्रे- सोनाली बेंद्रे को गणेश चतुर्थी का त्योहार काफी पसंद है। वह हर साल घर पर बप्पा का स्वागत करती रही हैं। एक वक्त ऐसा भी आया जब वह इलाज के सिलसिले में न्यूयॉर्क में थीं और घर से दूर होने की वजह से गणपति की आरती में फेसटाइम के जरिए शामिल हुई थीं। इसके अगले साल वह अपने परिवार के साथ घर पर गणपति उत्सव मनाकर बेहद खुश नजर आईं। उन्होंने तब पर्यावरण का ध्यान रखते हुए ईको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा रखने और घर पर ही विसर्जन करने की बात कही थी। 2025 में भी सोनाली ने घर पर गणेश चतुर्थी मनाई और साड़ी में बप्पा के साथ अपनी तस्वीर साझा की।

सोनू सूद- सोनू सूद हर साल बप्पा को अपने घर लाने की परंपरा निभाते हैं और परिवार के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। 2024 में नए घर 'गंगोत्री निवास' में पहली बार गणपति का स्वागत उनके लिए खास था। पत्नी सोनाली और दोनों बेटों अयान और ईशांत के साथ उन्होंने आरती की थी। उस वक्त सोनू ने कहा था कि जिस जगह से उनके संघर्ष की शुरूआत हुई, उसी इलाके में अब उनके नए घर में पहली बार बप्पा का आना उनके लिए भावुक पल है। 2025 में भी उन्होंने गणपति उत्सव मनाया और पर्यावरण का ध्यान रखते हुए ईको-फ्रेंडली प्रतिमा के साथ घर पर ही विसर्जन किया। उनके यहां यह उत्सव पांच दिनों तक मनाया गया और पूजा-पाठ के साथ परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी रही।

कार्तिक आर्यन- गणपति उत्सव को पूरे मन से मनाने वाले सितारों में कार्तिक आर्यन भी शामिल हैं।